रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

सोमवार

01 जून -2026

वर्ष 10, अंक 267

पेज 8, मूल्य 2 रुपए

रांची

पेज-8

जापानी मॉडल से बुजुर्गों को संभालेगा केरलम

इमारतें व्हीलचेयर अनुकूल बनेंगी, 'स्किल बैंक' से युवाओं को जोड़ेंगे

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। देश में सबसे तेजी से बुजुर्ग होती आबादी वाले राज्यों में शामिल केरलम ने अब इस चुनौती से निपटने के लिए जापान का मॉडल अपनाने की तैयारी कर ली है। नई राज्य सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए देश का पहला समर्पित विभाग और वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाने की घोषणा की है। 'भारत में बुजुर्ग' रिपोर्ट 2021 के अनुसार केरलम में 2011 में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी 12.5 फीसदी थी, जो अब 16.5 से 18.7 फीसदी पहुंच चुकी है। 2031 तक बुजुर्गों की संख्या कुल आबादी की 20.9 फीसदी तक पहुंचने के आसार हैं। जबकि भारत का यह 13.1 फीसदी होगी। यही नहीं, 2051 तक राज्य की एक-तिहाई आबादी बुजुर्ग होने का अनुमान है। पहले से योजनाएं चल रही हैं, लेकिन ये प्रयास बिखरे हुए हैं। केरलम में महिलाएं ज्यादा जीती हैं।

ये है जापानी मॉडल

समुदाय आधारित देखभाल व्यवस्था की सशक्त व्यवस्था। घर पर नर्सिंग और स्वास्थ्य सेवाओं की प्रचुर उपलब्धता। असिस्टेड लिविंग सुविधाएं। बुजुर्गों के अनुकूल ढांचा। युवाओं के विदेश में बस जाने और अन्य राज्यों में पलायन से बुजुर्गों का अकेलापन बढ़ा। बुजुर्गों में अवसाद, डिमेंशिया और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं।

बड़ी तैयारी: केरलम में नया इंफ्रा तैयार होगा

घर पर देखभाल के लिए प्रशिक्षित केयरगिवर्स की व्यवस्था की जाएगी। स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय और स्थानीय निकायों में समन्वय बेहतर बनाया जाएगा, ताकि बुजुर्गों को भटकना न पड़े। लो-फ्लोर बसें चलाई जाएंगी। बुजुर्गों के लिए सुरक्षित पैदल मार्ग तैयार किए जाएंगे। इमारतें में व्हीलचेयर अनुकूल बनाई जाएंगी। सेवानिवृत्त शिक्षकों, इंजीनियरों और पेशेवरों का 'स्किल बैंक' बनाकर उन्हें सामाजिक गतिविधियों से जोड़ा जाएगा।

बंगाल में बॉर्डर पर फेंसिंग लगाने पहुंची बीएसएफ

स्थानीय लोगों ने जताई खुशी, बोले- अब चैन से सो सकेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल बॉर्डर का 600 किलोमीटर का एक हिस्सा ऐसा है, जहां बांग्लादेश के साथ सीमा पूरी तरह खुली है। कोई फेंसिंग नहीं है। यहां बीते दिनों जब बीएसएफ की टीम बॉर्डर नापने के लिए पहुंची तो गांव वालों ने मिठाइयां बांटी। यह इलाका है मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार में जीरो लाइन पर बसा सकारपाड़ा गांव। 4 हजार की आबादी और 2500 मतदाता। इनमें 95 फीसदी लोग खेती पर निर्भर हैं। गांव का भूगोल बेहद संवेदनशील है। घर खत्म होते ही खेत आ जाते हैं और खेत खत्म होते ही बांग्लादेश। ग्राम पंचायत सदस्य पिंटू मंडल का घर गांव में सबसे आखिर में है। परिवार के पास 30 बीघा जमीन है। स्थानीय पिंटू मंडल ने बताया कि हमें शाम 5 बजे के बाद अपने खेतों में जाने की अनुमति नहीं है, लेकिन बांग्लादेश के लोग कभी भी हमारे खेतों में घुस आते हैं।

अब तक बीएसएफ को 27 किमी जमीन दी जा चुकी

बंगाल में नई सरकार बनने के बाद से अब तक बीएसएफ को बॉर्डर की 27 किमी जमीन दी जा चुकी है। इनमें 18 किमी में फेंसिंग होनी है और 9 किमी में बॉर्डर आउट पोस्ट विकसित करने की योजना है। शुरुआत जलपाईगुड़ी, कूचबिहार, सिलीगुड़ी, मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे सीमावर्ती जिलों से की गई है। 10 दिन में मुर्शिदाबाद, कूचबिहार में बॉर्डर पर कुछ जगह बांग्लादेशियों ने सीमांकन का काम रोकने की कोशिशें कीं, पर बीएसएफ ने चेतावनियां देकर उन्हें भगा दिया।

सरकार का 45 दिनों में 600 एकड़ जमीन देने का लक्ष्य

सबसे ज्यादा जमीन मुर्शिदाबाद (38.80 एकड़) में दी गई है। इसके बाद जलपाईगुड़ी (35.16 एकड़) और कूचबिहार (22.92 एकड़) का स्थान है। यह जमीन भारत-बांग्लादेश सीमा पर बार्ब्ड वायर फेंसिंग (कंटीले तार), आउटपोस्ट और सुरक्षा ढांचा बनाने के लिए दी गई है। राज्य सरकार ने कुल 600 एकड़ जमीन 45 दिनों के भीतर ब्रस्ट्र को देने का लक्ष्य रखा है।

वन नेशन, वन इलेक्शन पर सुरक्षित रास्ता तलाश रही सरकार

दो चरणों में लागू करने का प्रस्ताव; पहले 20 राज्यों के चुनाव एक साथ करने पर विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार वन नेशन वन इलेक्शन के लिए सुरक्षित रास्ता तलाश रही है। इसके लिए बनी जेपीसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक समिति टू-फेज ट्रांजिशन मॉडल पर विचार कर रही है, जिससे राज्यों में बार-बार चुनाव कराने या विधानसभाओं के कार्यकाल में बहुत बड़ी कटौती करने की जरूरत न पड़े। पूरे देश को एक साथ चुनावी चक्र में लाने के बजाय दो चरणों- 2029 और 2034 में बढ़ने का विकल्प सबसे व्यावहारिक माना जा रहा है। पहले चरण में 2029 के लोकसभा चुनाव के साथ करीब 20 राज्यों के विधानसभा चुनाव कराए जा सकते हैं। संयुक्त संसदीय समिति की अवधि 2026 के मानसून सत्र तक बढ़ाई जा चुकी है। ऐसे में 2029 से चुनावी चक्र एक करने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। वहीं, 2034 तक पूरे देश को साझा चुनावी चक्र में लाने का लक्ष्य है।

संविधान में गुंजाइश है, लेकिन सहमति पर जोर

लॉ कमीशन के पूर्व सदस्य और मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के लॉ कॉलेज के डीन आनंद पालीवाल ने कहा कि एक देश-एक चुनाव को चरणबद्ध तरीके से लागू करने के लिए संवैधानिक विकल्प मौजूद हैं। कुछ राज्यों में विधानसभा का कार्यकाल पूरा होने से पहले चुनाव कराए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में कार्यकाल बढ़ाने के विकल्प भी हैं। भारत में पहले भी विशेष परिस्थितियों में लोकसभा और विधानसभाओं के कार्यकाल में बदलाव किए गए हैं। हालांकि किसी भी व्यापक बदलाव के लिए संसद द्वारा आवश्यक कानूनी प्रावधान और राजनीतिक सहमति जरूरी होगी। 1952 से 1967 तक यानी चार बार लोकसभा व अधिकांश विधानसभा चुनाव साथ हुए। 1967 के बाद कई राज्यों में सरकारें गिरने लगीं। 1968-69 में कई विधानसभाएं भंग हुईं और 1970 में लोकसभा भी कार्यकाल पूरा होने से पहले भंग हो गई। इससे देश का साझा चुनावी चक्र बिखर गया। 1971 में लोकसभा के मध्यावधि चुनाव हुए और राज्यों में चुनाव अलग-अलग समय पर होने लगे। बाद में गठबंधन सरकारों, राष्ट्रपति शासन और समय से पहले चुनाव ने अंतर और बढ़ा दिया। विधि आयोग और नीति आयोग समय-समय पर चुनावी चक्र एक करने की सिफारिश करते रहे हैं।

यूपी में छात्र की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

बकरीद के दिन मारा था, भागते वक्त पुलिस ने मारी गोली

> सूर्या की मां बोलीं- लाश की फोटो दिखाओ, तब मानूंगी

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में 11वीं के छात्र सूर्या चौहान की हत्या का मुख्य आरोपी असद (19) एनकाउंटर में मारा गया। वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। रविवार तड़के 4 बजे पुलिस ने घेरा तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में असद ढेर हो गया। पुलिस ने शनिवार को ही उस पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था। मुठभेड़ शहर के वसुंधरा इलाके में हुई। बकरीद के दिन (28 मई) 17 साल के सूर्या की हत्या हुई थी। नाबालिग दोस्त के मुताबिक, असद ने फोन करके सूर्या को बुलाया। साथियों के साथ उसे घेर लिया और चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। मारने से पहले उसने सूर्या से पूछा था- क्या कभी बकरा हलाल होते देखा है। आओ, दिखाते हैं। इसका सीसीटीवी भी सामने आया था। वहीं, खोड़ा पुलिस ने 3 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। इनमें खोड़ा के रहने वाले नवाब (45), फरहान (19) और आतिफ (19) शामिल हैं। एनकाउंटर पर सूर्या की मां ने कहा- असद की लाश की फोटो दिखाओ, तभी मानूंगी कि उसका एनकाउंटर हुआ है। बाकी आरोपियों का भी एनकाउंटर होना चाहिए।

कृषि अर्थव्यवस्था के लिए 'आम' नहीं, बल्कि बहुत ही खास है

पीएम मोदी ने की 'मन की बात' में आम उत्पादक किसानों की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में देशभर के आम उत्पादक किसानों की सराहना करते हुए कहा कि उनके अथक परिश्रम और समर्पण की बदौलत 'फलों का राजा' आम हर साल लाखों परिवारों तक पहुंचता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में गर्मियों का मौसम आते ही आम की चर्चा हर घर में शुरू हो जाती है और शायद ही कोई ऐसा घर होगा, जहां आम को लेकर उत्साह न हो। उन्होंने कहा कि हर इलाके का अपना आम, अपना स्वाद और अपनी खुशबू होती है। महाराष्ट्र और कोंकण का हापुस (अल्फांसो), गुजरात का केसर, उत्तर प्रदेश का दशहरी और मेरी काशी का लंगड़ा आम लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। पीएम मोदी ने लंगड़ा आम की खासियत का भी जिक्र करते हुए कहा कि पकने के बाद भी इसका रंग कई बार हरा ही रहता है।

वैश्विक बाजारों तक पहुंच रही आमों की पहचान

उन्होंने कहा कि जगह बदलती है तो आम का रूप, रंग और स्वाद भी बदल जाता है। यही भारत की विविधता की खूबसूरती है। पीएम मोदी ने कहा कि अब भारतीय आमों की पहचान केवल गांवों और स्थानीय बाजारों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे वैश्विक बाजारों तक भी पहुंच रहे हैं। उन्होंने आम की खेती से जुड़े किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं मन की बात के माध्यम से आम की पैदावार से जुड़े अपने किसान भाई-बहनों की प्रशंसा करता हूं।

आंतरिक संसाधनों की समीक्षा बैठक

जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त रांची, मंजूनाथ भजन्त्री की में बैठक

▸▸ जिले के विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त होने वाले आंतरिक संसाधनों (InternalResources) की विस्तृत समीक्षा की गई

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची जिला के आंतरिक संसाधनों को मजबूत करने एवं उनकी बेहतर संग्रहण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में आज समाहरणालय ब्लॉक - ए कॉन्फ्रेंस कक्ष में एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त होने वाले आंतरिक संसाधनों (Internal Resources) की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में निम्नलिखित विभागों/क्षेत्रों पर क्रमवार चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए:

(1) परिवहन विभाग - वाहन कर, परमिट शुल्क एवं अन्य प्राप्तियों की समीक्षा।
- बकाया राशि की वसूली हेतु प्रभावी रणनीति बनाने के निर्देश।

(2) राज्यकर विभाग- जीएसटी, व्यावसायिक कर एवं अन्य कर राजस्व की प्रगति।
- अनुपालन सुनिश्चित करने एवं नए टैक्सपेयर्स को जोड़ने पर जोर।

(3) खनन विभाग - खनिज royalty, dead rent एवं अन्य प्राप्तियों की समीक्षा। - अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई एवं royalty वसूली में तेजी लाने के निर्देश।

(4) ऋण शाखा - विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत दिए गए ऋणों की वसूली स्थिति।
- ब्रह्मको कम करने एवं समयबद्ध वसूली पर विशेष ध्यान देने के निर्देश।

(5) मत्स्य विभाग - मत्स्य पालन, टैंक पट्टा एवं संबंधित राजस्व की समीक्षा।

(6) बाजार समिति - बाजार शुल्क, लाइसेंस फीस एवं अन्य प्राप्तियों की प्रगति।

(7) निबंधन विभाग पंजीयन शुल्क, स्टांप शुल्क की प्राप्ति एवं लक्ष्य प्राप्ति की समीक्षा।

(8) उत्पाद विभाग - उत्पाद शुल्क (E&cise) की वसूली एवं लाइसेंस प्रबंधन।

(9) नीलाम पत्र एवं अन्य विभाग - नीलामी प्रक्रिया, विभिन्न विभागों से प्राप्त होने वाले अन्य राजस्व स्रोतों की समीक्षा।बैठक के दौरान मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि आंतरिक संसाधनों की वसूली जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागों को लक्ष्य से अधिक प्राप्ति सुनिश्चित करने, बकाया राशि की त्वरित वसूली तथा प्रक्रियाओं को और अधिक पारदर्शी एवं सुगम बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा।बैठक में अपर समाहर्ता रांची, रामनारायण सिंह, जिला परिवहन पदाधिकारी रांची, अखिलेश कुमार एवं सभी संबंधित विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हमले में 5 गिरफ्तार

> ममता बनर्जी बोलीं- हेलमेट नहीं होता तो जान चली जाती

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारी वीडियो फुटेज के आधार पर रातभर चली छापेमारी के बाद हुई। ममता बनर्जी ने हमले को साजिश बताते हुए कहा कि अगर अभिषेक ने हेलमेट नहीं पहना होता तो उनकी जान जा सकती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल में भर्ती अभिषेक को जल्द डिस्चार्ज कराने के लिए भाजपा नेताओं और पुलिस ने दबाव बनाया। अभिषेक पर शनिवार को दक्षिण सोनारपुर में हमला हुआ था, जहां वे चुनाव बाद हिंसा के पीड़ित कार्यकर्ताओं से मिलने गए थे। हमले के बाद अभिषेक को पहले अपोलो अस्पताल ले जाया गया। ममता भी उनसे मिलने पहुंचीं थी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखण्ड ने एसआईआर हेतु जारी किए FAQs-part(I)

भारत निर्वाचन आयोग
Election Commission of India

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची। /

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण से संबंधित FAQs-part(I) जारी किए हैं। इसकी एक प्रति मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के वेबसाईटhttpsN//ceo.jharkhand.gov.in/ पर भी उपलब्ध है। विभिन्न माध्यमों से यथा वांछित प्रश्नों/शंकाओं को सम्मिलित करते हुए 30 ब्रश्नों के माध्यम से एसआईआर के संदर्भ में जानकारी उपलब्ध कराई गई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा इस ब्रश्नों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के क्रम में बीएलओ, बीएलए, मैप्ड मतदाता/अन-मैप्ड मतदाता को क्या करना है, इसकी विस्तृत जानकारी उपलब्ध है। इसके साथ साथ मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण क्यों आवश्यक है, मतदाताओं को इस क्रम में किन किन दस्तावेजों की आवश्यकता पड़ सकती है, इन्यूमरेशन फॉर्म,मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन, दावा /आपत्ति एवं मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के संदर्भ में भी विस्तृत रूप से जानकारी उपलब्ध कराई गई है।

संक्षिप्त समाचार

पतरातू में तालाताड़ पेट्रोल पंप के पास सड़क हादसा, चार लोग घायल

पतरातू, एजेंसी। रामगढ़ जिले के पतरातू में बीते देर रात तालाताड़ पेट्रोल पंप के पास हुए सड़क हादसे में एक कार सवार चार लोग घायल हो गए। दुर्घटना में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सभी घायलों का प्राथमिक उपचार कराने के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भदानीनगर थाना क्षेत्र के लपंगा निवासी संदीप प्रसाद (34), अजय पांडे (39), विपिन कुमार (36) और रवि कुमार (31) हौंडा सिटी कार (जेएच-01ईएच-0452) से रांची से अपने घर लपंगा लौट रहे थे। इसी दौरान तालाताड़ पेट्रोल पंप के समीप उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा इतना जोरदार था कि टक्कर की आवाज दूर तक सुनाई दी। आवाज सुनकर आसपास के स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पतरातू पुलिस की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलते ही घायलों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। प्राथमिक उपचार के बाद चारों घायलों को बेहतर इलाज के लिए रांची ले जाया गया, जहां हिल व्यू नर्सिंग होम में उनका उपचार चल रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

चोरी के आरोप में एक युवक गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ थाना क्षेत्र के दुसाध मुहल्ला में घर में चोरी करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस संबंध में दुसाध मुहल्ला निवासी विकास पासवान ने रामगढ़ थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। आवेदन में बताया गया है कि 30 मई की सुबह करीब तीन बजे उनके घर में सामान गिरने की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर उनका छोटा भाई कमरे से बाहर निकला तो दो लोगों को घर से भागते हुए देखा। शोर मचाने पर एक आरोपी को स्थानीय लोगों की मदद से पकड़ लिया गया, जबकि दूसरा व्यक्ति छत से कूदकर फरार हो गया। पकड़े गए आरोपी ने पूछताछ में अपना नाम गोलपार तिरंगा चौक निवासी गोलू कुरैशीबताया। घटना की सूचना मिलने पर रामगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर थाना ले गई। शिकायतकर्ता के अनुसार घटना के बाद घर की जांच करने पर उनके छोटे भाई का मोबाइल फोन और करीब 10 हजार रुपये नकद गायब मिले। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

सरायकेला-खरसावां : हाईटेंशन तार की चपेट में आने से कंटेनर में लगी आग, चालक गंभीर रूप से झुलसा

जमशेदपुर, एजेंसी। सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार की सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। आरआइटी थाना क्षेत्र के पम्मी धर्मकांटा के पास हाईटेंशन बिजली के तार की चपेट में आने से एक लॉजिस्टिक कंटेनर धू-धू कर जल उठा। इस हादसे में वाहन का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह एक विशाल लॉजिस्टिक कंटेनर वजन कराने के लिए पम्मी धर्मकांटा की ओर जा रहा था। इसी दौरान सड़क के ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन बिजली के तार से वाहन का ऊपरी हिस्सा स्पर्श कर गया। संपर्क होते ही जोरदार चिंगारी निकली और पूरे कंटेनर में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग इतनी तेजी से फैली कि चालक को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए किसी तरह गंभीर रूप से झुलसे चालक को वाहन से बाहर निकाला और तत्काल अस्पताल भेज दिया। चालक की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

पानी से भरा टैंकर पलटा, मैकेनिक की मौके पर मौत, दूसरा गंभीर घायल

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पानी से भरा टैंकर पलटने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। साहिबगंज के निवासी राजेश (टैंकर चालक) और मैकेनिक मनोज सड़क निर्माण कार्य से जुड़ी पानी की आपूर्ति के लिए टैंकर लेकर हटवारी जा रहे थे। इसी दौरान सड़क पर टैंकर के पिछले पहिये की बेयरिंग खराब हो गई। चालक राजेश ने टैंकर रोका और मैकेनिक मनोज को बुलाकर रिपेयरिंग शुरू कर दी। ठीक उसी समय टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया और दोनों व्यक्ति उसके नीचे दब गए। घटनास्थल पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। लेकिन तब तक राजेश की मौत हो चुकी थी। गंभीर रूप से घायल मनोज को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

झारखंड बीएड प्रवेश परीक्षा शुरू

रांची समेत 94 केंद्रों पर 45 हजार से अधिक अभ्यर्थी शामिल

रांची, एजेंसी। झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद द्वारा आयोजित झारखंड बीएड प्रवेश परीक्षा 2026 रविवार को राज्यभर के 94 परीक्षा केंद्रों पर शुरू हो गई। परीक्षा में 45 हजार से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए हैं। राजधानी रांची में सबसे अधिक 30 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां बड़ी संख्या में अभ्यर्थी परीक्षा देने पहुंचे।

परीक्षा को लेकर प्रशासन और परीक्षा पर्षद की तैयारियां मुकम्मल दिखीं। बीएड पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए आयोजित यह प्रवेश परीक्षा सुबह 10 बजे शुरू हुई, जो दोपहर 12 बजे तक चलेगी। अभ्यर्थियों को सुबह 9 बजे तक परीक्षा केंद्र पर रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया था। परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए एडमिट कार्ड और वैध फोटो पहचान पत्र अनिवार्य किया गया। निर्धारित समय के बाद पहुंचने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया गया।

झारखंड में वर्तमान में 136 बीएड

कॉलेज संचालित हैं, जिनमें सरकारी और निजी संस्थान शामिल हैं। परीक्षा परिणाम के आधार पर ही इन कॉलेजों में नामांकन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। पूरे झारखंड में बीएड की करीब 13,600 सीटों पर दाखिले के लिए 45 हजार से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं।

राजधानी रांची में मारवाड़ी कॉलेज, रांची कॉलेज, गोस्सनर कॉलेज, डोरंडा कॉलेज, निर्मला कॉलेज, संत जेवियर्स कॉलेज, योगदा सत्संग महाविद्यालय समेत विभिन्न शिक्षण संस्थानों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। रांची में बनाए गए 30 केंद्रों पर हजारों अभ्यर्थी परीक्षा देने पहुंचे। परीक्षा के दौरान केंद्रों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। केंद्राधीक्षकों, वीक्षकों और उड़नदस्ता दल को भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं ताकि परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष और कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न हो सके।

राज्यभर में रांची के अलावा धनबाद, जमशेदपुर, बोकारो, दुमका, पलामू, हजारीबाग और चाईबासा सहित विभिन्न जिला मुख्यालयों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा के सफल संचालन के लिए सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत किया गया है। सभी केंद्रों पर निगरानी के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

प्रवेश परीक्षा 100 अंकों की है, जिसके लिए दो घंटे का समय निर्धारित है। प्रश्नपत्र में हिंदी भाषा से 15, अंग्रेजी भाषा से 15, शिक्षण अभिक्षमता से 40 और तर्कशक्ति से 30 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर पर 0.25 अंक की निगेटिव मार्किंग भी लागू है। परीक्षा का परिणाम बीएड संस्थानों में नामांकन की प्रक्रिया का आधार बनेगा।

झारखंड के विश्वविद्यालयों से स्नातक करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 85 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं। जबकि 15 प्रतिशत सीटें ओपन श्रेणी के लिए निर्धारित हैं। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए स्नातक में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक या स्नातकोत्तर में 55 प्रतिशत अंक आवश्यक हैं। आरक्षित वर्ग के लिए यह सीमा 45 प्रतिशत निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर एडमिट कार्ड, फोटो पहचान पत्र तथा काला या नीला बॉलपॉइंट पेन लेकर आने का निर्देश दिया गया था। मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, कैलकुलेटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के साथ परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं थी। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

रांची एसडीओ कुमार रजत ने बताया कि राजधानी के सभी 30 परीक्षा केंद्रों पर दंडाधिकारियों और पुलिस बल की तैनाती की गई है। परीक्षा को निष्पक्ष और कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए विशेष निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है और सभी केंद्रों पर लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। परीक्षा संचालन से जुड़े अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी प्रकार की अनियमितता या अव्यवस्था की स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

दहेज प्रताड़ना और मारपीट मामले में पति समेत चार पर प्राथमिकी दर्ज

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ थाना क्षेत्र के नईसराय की एक महिला ने पति और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों पर दहेज प्रताड़ना, मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में चार लोगों को नामजद आरोपी बनाया है। पीड़िता नगमा प्रवीण ने अपने पति मो शाहीद, ससुर मो असलम, देवर मो वारिस और सास सकीला बानो के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

दर्ज आवेदन में कहा गया है कि 29 मई की रात करीब नौ बजे पति और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों ने उसके साथ मारपीट की। घटना में उसके सिर और शरीर के अलग-अलग हिस्सों में चोटें आईं। महिला ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर उसके मायके पक्ष के लोग नईसराय स्थित ससुराल पहुंचे, जहां उनके साथ भी विवाद हुआ। इस दौरान उसके भाई के साथ कथित रूप से मारपीट की गई, जिससे उसकी आंख के नीचे गंभीर चोट लगी।

गढ़वा में अवैध बालू परिवहन पर एसडीएम सख्त, खनन विभाग को कार्रवाई का निर्देश

गढ़वा, एजेंसी। अवैध बालू खनन और रात के अंधेरे में होने वाले इसके अवैध परिवहन के खिलाफ जिला प्रशासन ने अब तकनीकी साक्ष्यों के जरिए शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। सदर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) संजय कुमार के निर्देश पर अलग-अलग रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। इस गहन जांच और विश्लेषण के आधार पर अवैध रूप से बालू ढोने वाले कुल 13 ट्रैक्टरों को चिन्हित किया गया है। एसडीएम ने इन सभी चिन्हित गाड़ियों की लिस्ट सौंपते हुए जिला खनन विभाग को इनके खिलाफ तत्काल और कठोर कानूनी कार्रवाई करने का कड़ा निर्देश जारी किया है। प्रशासन की इस कार्रवाई से बालू माफियाओं और अवैध परिवहन में संलिप्त ट्रैक्टर संचालकों में हड़कंप मच गया है।

सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के दौरान परिवहन नियमों की धज्जियां उड़ाने वाली कई गंभीर अनियमितताएं और चालाकी सामने आई हैं। जांच में यह पाया गया कि कई ट्रैक्टर बिना किसी रजिस्ट्रेशन नंबर के ही सड़कों पर धड़ल्ले से संचालित किए जा रहे थे, जिससे कि किसी कार्रवाई के दौरान उनकी पहचान न हो सके। इसके अलावा सबसे चौंकाने वाला और गंभीर मामला तब सामने आया, जब तीन अलग-अलग ट्रैक्टरों पर एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित पाया गया। एक ही नंबर प्लेट का इस्तेमाल कर तीन-तीन वाहनों से बालू की ढुलाई की जा रही थी, जिससे वाहन स्वामित्व और राजस्व चोरी के बड़े खेल की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन ने इसे बेहद गंभीरता से लेते हुए इन संबंधित वाहनों की जांच कराने और इस धोखाधड़ी के दोषियों के खिलाफ जालसाजी का मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है। सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने कहा कि जिले में अवैध बालू खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ प्रशासन जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है। माफियाओं पर लगाम कसने के लिए अब तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी कैमरों और गुप्त सूचनाओं का सहारा लिया जा रहा है।

14 वर्षों की कड़ी मेहनत और शहादत का नतीजा नक्सल मुक्त झारखंड

एनकाउंटर-सरेंडर और गिरफ्तारी की पूरी कहानी

रांची, एजेंसी। झारखंड अब नक्सलवाद से लगभग मुक्त हो चुका है। राज्य में कुछ इनामी नक्सली और छोटे-मोटे समूह बचे जरूर हैं, लेकिन उनमें अब न तो संगठनात्मक ताकत बची है और न ही पुलिस से मुकाबला करने की क्षमता। केंद्रीय बलों और झारखंड पुलिस की संयुक्त रणनीति तथा बलिदान के बाद लाल आतंक का सफाया लगभग पूरा हो गया है।

पिछले 14 वर्षों में झारखंड पुलिस ने नक्सलवाद पर पूरी तरह काबू पा लिया है। इस दौरान 225 से ज्यादा नक्सलियों के एनकाउंटर, 5000 से अधिक नक्सलियों की गिरफ्तारी और 310 से ज्यादा नक्सलियों के आत्मसमर्पण दर्ज किए गए। राज्य के विभिन्न नक्सल प्रभावित इलाकों में बड़े पैमाने पर हथियार, गोला-बारूद और आईईडी बरामद किए गए।

सारंडा वन क्षेत्र झारखंड का एकमात्र इलाका है जहां अभी भी कुछ नक्सली बचे हुए हैं। लेकिन पुलिस की आक्रामक रणनीति के कारण यहां भी

उनकी संख्या बेहद कम हो गई है और गतिविधियां लगभग समाप्त हो चुकी हैं। झारखंड पुलिस की कार्रवाई से सारंडा समेत पूरे क्षेत्र में नक्सलियों का पुराना गढ़ तबाह हो चुका है।

पिछले चार वर्षों में बूढ़ा पहाड़, लुगु पहाड़ी, पारसनाथ और बुलबुल जैसे घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से नक्सलियों को पूरी तरह खदेड़ दिया गया है।

25 वर्ष पहले जब झारखंड राज्य बना था, तब स्थिति पूरी तरह उलट थी। साल 2000 से 2012 तक नक्सली संगठन राज्य के कई हिस्सों में खुलेआम सक्रिय थे और सुरक्षाबलों को लगातार नुकसान पहुंचा रहे थे। उस समय नक्सलियों की तूती बोलती थी।

2014 के बाद झारखंड पुलिस ने रणनीति बदली और लगातार आक्रामक अभियान चलाए। हर साल नई सफलता हासिल करते हुए पुलिस ने नक्सलियों के बड़े-बड़े ठिकानों को ध्वस्त किया। एक करोड़ रुपये से ज्यादा इनाम वाले कई शीर्ष नक्सली नेताओं को या तो मार गिराया गया या गिरफ्तार किया गया।

झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान की औपचारिक शुरुआत 2004 में ऑपरेशन ग्रीन हंट से हुई, लेकिन असली सफलता 2012 के बाद मिलनी शुरू हुई। सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस के संयुक्त अभियानों ने नक्सलियों की आर्थिक और सैन्य कमर तोड़ दी। बूढ़ा पहाड़ से पारसनाथ तक के सभी प्रमुख नक्सली गढ़ों को नेस्तनाबूद कर दिया गया।

झारखंड पुलिस की इस उपलब्धि को पूरे देश के लिए उदाहरण माना जा रहा है। 14 वर्षों की निरंतर मेहनत, बलिदान और रणनीतिक दक्षता का नतीजा अब सामने है।

साल 2025 में झारखंड पुलिस और सुरक्षा बलों ने 34 नक्सलियों को एनकाउंटर में मार गिराया। यह आंकड़ा राज्य में नक्सल विरोधी अभियानों की मजबूती को दर्शाता है। इससे पहले सबसे ज्यादा नक्सली 2008 में 46 मारे गए थे। वर्ष 2026 में अब तक 22 नक्सली एनकाउंटर में ढेर हो चुके हैं।

झारखंड के गठन के पहले तीन वर्षों (2001, 2002 और 2003) में नक्सलियों को कोई क्षति नहीं पहुंची थी। लेकिन वर्ष 2004 से पुलिस ने अभियान को धार दी।

चंपाई सोरेन ने अस्पताल के नए नाम पर जताया एतराज, कहा- फूलो-झानो के नाम से हो अस्पताल

दुमका, एजेंसी। जिला के रिंग रोड में अवस्थित फूलो झानो मेडिकल कॉलेज के नवनिर्मित अस्पताल का नाम गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रखा गया है। इसपर पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा विधायक चंपाई सोरेन ने कड़ा एतराज जताया है।

चंपाई सोरेन ने कहा कि यह संथाल हूल के इतिहास और महापुरुषों के नाम को भुलाने की साजिश है। यहां वीरांगनाओं के नाम का अतिक्रमण किया जा रहा है। इसे शीघ्र फूलो झानो के नाम से किया जाए। भाजपा नेता अपने समर्थकों के साथ यहां पहुंचे थे।

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल भवन का निर्माण करा रही एजेंसी के प्लानिंग मैनेजर और मेडिकल कॉलेज प्रबंधन से भी इस मामले में बात की। इस संस्थान के नाम में सुधार नहीं हुआ तो इस बार के हूल दिवस पर 30 जून को यहीं संथाल परगना के हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोगों के साथ ग्रामों के माझी हड़ाम और परंपरागत स्वशासन से जुड़े प्रतिनिधियों का जुटान होगा और वे खुद से ही इस नाम को बदल देंगे।

चंपाई सोरेन ने कहा कि फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल के नाम में मुर्मू शब्द भी जोड़ा जाना चाहिए। हालांकि इस संबंध में कॉलेज प्रबंधन की तरफ से कोई बयान नहीं दिया गया। उन्होंने इस दिग्घी गांव के इलाके में प्रस्तावित बस टर्मिनल का नामकरण भी चांद भैरव किए जाने की भी मांग रखी।

बता दें कि 1855 में साहिबगंज की भोगनाडीह से अंग्रेजों के खिलाफ शुरू हुए संथाल हूल (क्रांति) में सिदो-कान्हू की बहन फूलो झानो ने काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने इस आंदोलन के भाग लेने के लिए महिलाओं को प्रेरित किया था।

झारखंड आएंगे बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, राज्यसभा चुनाव की रणनीति पर होगी खास नजर

रांची: भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन आगामी 06 जून से दो दिवसीय झारखंड दौरे पर होंगे। नितिन नबीन का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद झारखंड का पहला दौरा होगा। भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का आगामी 06 एवं 07 जून को झारखंड दौरा तय हो गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनका राज्य में पहला दौरा है।

उन्होंने कहा कि इन दो दिनों में कई कार्यक्रमों और सांगठनिक बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष हिस्सा लेंगे। अमर कुमार बाउरी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष 06 जून को सुबह 11:30 बजे रांची एयरपोर्ट पहुंचेंगे। जहां पार्टी के कार्यकर्ताओं के द्वारा उनका भव्य स्वागत और अभिनंदन किया जाएगा। इसके बाद एयरपोर्ट के समीप ही उनका वृक्षारोपण का कार्यक्रम है। इसके बाद भारत रत्न स्व.कर्पूरी ठाकुर, धरती आबा बिरसा मुंडा, स्व. कैलाशपति मिश्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। फिर उनका आगमन भाजपा प्रदेश कार्यालय में होगा। इसी दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रबुद्धजन संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे।

राज्यसभा के दो सीटों के लिए होने वाले चुनाव के बीच भाजपा अध्यक्ष का झारखंड दौरा अहम माना जा रहा है। इस दौरान पार्टी के प्रदेश स्तरीय आला नेताओं के साथ नितिन नवीन रणनीति भी बनाते नजर आयेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष के 07 जून के प्रस्तावित कार्यक्रम की जानकारी देते हुए प्रदेश महामंत्री ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के कचू, ओरमांझी स्थित आवास पर उनका नाश्ते का कार्यक्रम है। इस दिन ही राष्ट्रीय अध्यक्ष आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे। प्रदेश महामंत्री ने बताया कि इसके अलावा कई सांगठनिक बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यक्रम प्रस्तावित है। सात जून को रात में राष्ट्रीय अध्यक्ष दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

अब शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अभ्यर्थी भी जेटेट में होंगे शामिल

रांची, एजेंसी। झारखंड में शिक्षक प्रशिक्षण ले रहे अभ्यर्थी भी अब झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) में शामिल होंगे। इस संबंध में प्राथमिक शिक्षा निदेशक ने झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के सचिव को पत्र लिखा है। प्राथमिक शिक्षा निदेशालय द्वारा जैक को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि अभ्यर्थियों द्वारा इस संबंध में विभाग को अवगत कराया गया है कि प्रशिक्षण संस्थानों में नामांकित अभ्यर्थियों का आवेदन जमा नहीं लिया जा रहा है।

निदेशालय ने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के वर्ष 2019 के आदेश और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के वर्ष 2022 के पत्र का उल्लेख किया है। इस आलोक में मान्यता प्राप्त संस्थान में नामांकित और प्रशिक्षण ले रहे अभ्यर्थी को जेटेट में शामिल होने की अनुमति प्राप्त होगी।

जैक को इस संबंध में जरूरी कार्रवाई करने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि फिलहाल ऐसे प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अभ्यर्थी जेटेट में शामिल होने के लिए आवेदन जमा नहीं कर पा रहे हैं। राज्य में शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लगभग 50 हजार अभ्यर्थियों को जेटेट में शामिल होने का अवसर मिलेगा। राज्य में एक वर्ष में प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण और बीएड में लगभग 25 हजार अभ्यर्थी नामांकन लेते हैं। इस आदेश से वर्ष 2024 और 2025 में नामांकित विद्यार्थियों को परीक्षा में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

झारखंड प्रीमियर लीग ऑक्शन में रॉबिन मिंज सबसे महंगे खिलाड़ी

सरायकेला, एजेंसी। झारखंड क्रिकेट के इतिहास में पहली बार आयोजित हो रही झारखंड प्रीमियर लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी ने क्रिकेट प्रेमियों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। जमशेदपुर के एक होटल में आयोजित ऑक्शन में रविवार को कई चर्चित खिलाड़ियों पर फ्रेंचाइजियों ने खुलकर बोली लगाई। नीलामी के शुरुआती दौर में ही गुमला के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज रॉबिन मिंज सबसे महंगे खिलाड़ी बनकर उभरे। उन्हें कोयलांचल सुपर किंग्स ने 15.125 लाख रुपए में अपनी टीम में शामिल किया।

झारखंड टी20 लीग के पहले खिलाड़ी ऑक्शन में कई चौंकाने वाले नतीजे सामने आए। गुमला के उभरते विकेटकीपर बल्लेबाज रॉबिन मिंज सबसे महंगे खिलाड़ी बने। उन्हें कोयलांचल सुपर किंग्स ने 15.125 लाख रुपये में खरीदा। वहीं भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को संथाल स्ट्राइकर्स ने 6.125 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा। मशहूर ऑक्शनर चारू शर्मा की मौजूदगी में हुई नीलामी में स्थानीय और युवा खिलाड़ियों पर फ्रेंचाइजियों ने जमकर दांव लगाया। झारखंड क्रिकेट के लिए यह ऑक्शन ऐतिहासिक माना जा रहा है।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस का हिस्सा रह चुके रॉबिन मिंज का बेस प्राइस 4 लाख रुपए था। लेकिन विभिन्न फ्रेंचाइजियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण उनकी कीमत 15 लाख रुपए के पार पहुंच गई। झारखंड क्रिकेट में उभरते सितारे के रूप में पहचान बना चुके रॉबिन पर सबसे बड़ी बोली लगने से उनके प्रशंसकों में भी उत्साह देखा गया। ऑक्शन में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ियों में विराट सिंह रहे, जिन्हें छोटानागपुर रॉयल्स ने 13 लाख रुपए में खरीदा।

इस लीग का मुख्य उद्देश्य झारखंड के सुदूर इलाकों में छिपी युवा क्रिकेट प्रतिभाओं को एक बड़ा और प्रोफेशनल मंच देना है। हमें पूरा विश्वास है कि यह लीग हमारे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में एक मील का पत्थर साबित होगी:- अजय नाथ सहदेव, जेएससीए अध्यक्ष

वहीं एमडी काउनैन कुरैशी को जमशेदपुर स्टीलर्स ने 12.150 लाख रुपए में अपनी टीम का हिस्सा बनाया। तेज गेंदबाज सुशांत मिश्रा को 11 लाख रुपए और शिखर मोहन को 11 लाख रुपये में खरीदा गया। इसके अलावा पंकज कुमार 10.175 लाख रुपए, राजनदीप सिंह 9 लाख रुपए, साहिल राज 8.175 लाख रुपे, मो नाजिम सिद्दीकी 7.125 लाख रुपए और बाल कृष्णा 7.125 लाख रुपए में संबंधित फ्रेंचाइजियों के साथ जुड़े। ऑक्शन के दौरान इन खिलाड़ियों को लेकर टीमों के बीच काफी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली।

झारखंड क्रिकेट के चर्चित विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को छोटानागपुर रॉयल्स ने उनके 4 लाख रुपए के बेस प्राइस पर खरीदा। कुमार झारखंड प्रीमियर लीग में के कैटेगरी-1 के खिलाड़ी हैं और लंबे समय से राज्य क्रिकेट का अहम हिस्सा रहे हैं। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (झस्क्रीए) की ओर से आयोजित इस लीग में छह फ्रेंचाइजी रांची टाइटंस, जमशेदपुर स्टीलर्स, छोटानागपुर रॉयल्स, कोयलांचल सुपर किंग्स, धनबाद डायनमाइट्स और संथाल स्ट्राइकर्स हिस्सा ले रही हैं। प्रत्येक टीम को निर्धारित बजट के भीतर अपनी स्क्वॉड तैयार करना है।

खिलाड़ियों की नीलामी पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई है। सभी टीमों का संतुलन बेहतरीन है और आने वाले दिनों में फैंस को झारखंड की धरती पर क्रिकेट का सबसे रोमांचक सफर देखने को मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

कुमारी गांव में दिनदहाड़े घुसा हाथियों का झुंड, ग्रामीणों में दहशत

चांडिल, एजेंसी। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र के कुमारी गांव में रविवार को दिन के उजाले में जंगली हाथियों का झुंड पहुंच गया। हाथियों ने किसानों के खेतों में लगी रबी धान की फसल को अपना आहार बनाते हुए रौंदकर पूरी तरह बर्बाद कर दिया। इससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है और ग्रामीणों में दहशत का माहौल व्याप्त है। ग्रामीणों के अनुसार हाथियों का झुंड गांव और खेतों के आसपास काफी देर तक घूमता रहा, जिससे लोगों में डर बना रहा। स्थिति यह है कि अब ग्रामीण दिन के समय भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। हाथियों के लगातार आबादी वाले क्षेत्रों में पहुंचने से बच्चों, महिलाओं और किसानों की चिंता बढ़ गई है। स्थानीय किसानों ने बताया कि धान की खेती ही इस क्षेत्र के अधिकांश परिवारों की आय का मुख्य स्रोत है। इसी फसल के सहारे पूरे वर्ष परिवार का खर्च चलता है। ऐसे में हाथियों द्वारा फसल को नष्ट किए जाने से किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

जमशेदपुर में युवक की हत्या, झाड़ियों में मिला शव

जमशेदपुर, एजेंसी। जिले के मानगो उलीडीह क्षेत्र में अज्ञात अपराधियों ने एक युवक की हत्या कर दी। युवक का शव एक क्लब के पास बरामद हुआ है। मामले में उलीडीह थाना प्रभारी ने बताया कि युवक के सर पर प्रहार के निशान हैं और अपराधियों का पता लगाया जा रहा है।युवक का शव क्षेत्र में स्थित आदिवासी क्लब के पास झाड़ियों से बरामद हुआ है। शव मिलने की खबर से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर जुट गए हैं।सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पहुंची और पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान शकोंसाई रोड नंबर 2 निवासी 24 वर्षीय विकास सिंह के रूप में हुई है। जांच के दौरान पाया गया कि मृतक के सर पर धारदार हथियार से प्रहार के निशान थे। जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई है।परिजनों के मुताबिक, विकास शनिवार देर रात अपने भगिना से मिलने के लिए उलीडीह गया था। भगिना से मुलाकात के बाद वह घर लौटने के लिए निकला था लेकिन देर रात के बाद भी वापस नहीं पहुंचा।परिवार के लोगों ने उसे कई बार फोन करने की कोशिश की लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। सुबह उलीडीह में रहने वाली एक युवती ने परिजनों को फोन कर झाड़ियों में एक युवक का शव पड़े होने की जानकारी दी। इधर पुलिस अपराधियों की पहचान के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने में जुटी है।

बगोदर के तुकतुको गांव में 20 दिन के अंदर एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत

गिरिडीह, एजेंसी। जिला में बगोदर थाना क्षेत्र के अड़वारा पंचायत के तुकतुको गांव में एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। महज 20 दिनों के भीतर एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई है जबकि घर की महिला अब भी जिंदगी की जंग लड़ रही है।गांव के चंद्रदीप महतो बाहर रहकर ड्राइविंग करते थे। 11 मई को काम के दौरान हुए हादसे में उनकी मौत हो गई। पति की मौत का गम परिवार अभी भुला भी नहीं पाया था कि 27 मई को पत्नी दिनेश्वरी देवी, 12 साल का बेटा प्रिंस और 15 साल की बेटी प्रियंका की अचानक तबीयत बिगड़ गई। तीनों को पेट दर्द और दस्त की शिकायत पर पहले बगोदर सीएचसी ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर हजारीबाग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। वहां 28 मई को बेटी प्रियंका ने दम तोड़ दिया। मां और बेटे को रांची ले जाया गया, जहां 29 मई को प्रिंस की भी मौत हो गई। दिनेश्वरी देवी रांची के अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।चंद्रदीप के भाई सुरेन्द्र महतो ने पुलिस को दिए बयान में जहर की आशंका जताई है। उनके अनुसार 27 मई को दिनेश्वरी ने घर का दरवाजा बाहर से बंद कर लिया था। तबीयत बिगड़ने पर आवाज सुनकर परिजन छत से घर में दाखिल हुए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और महिला के बयान के बाद ही मौत की असल वजह साफ हो पाएगी। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा है।

बोकारो में लगी भीषण आग, दो लोग गंभीर रूप से झुलसे

बोकारो, एजेंसी। जिले के एलएच कॉलोनी स्थित एक घर में भीषण आग लग गई। इस घटना में दो लोग बुरी तरह झुलस गए। दोनों को बोकारो जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां बर्न यूनिट में शिफ्ट कर दिया गया है। इसमें से एक की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। यह घटना शनिवार को बोकारो के बीएसएल के एलएच कॉलोनी की स्ट्रीट 15 के मकान नंबर 6 में हुई। बताया जा रहा है कि घर में मिट्टी तेल का एक ड्रम रखा हुआ था। वहां पहले आग लगी, फिर तेजी से फैलते हुए पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें देखकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश की।वहीं, सूचना पाकर एक दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि इस हादसे में घर का मालिक भाना झा और महबूब आलम बुरी तरह झुलस गए। दोनों को बोकारो जनरल अस्पताल में इलाज चल रहा है।

डीसी की समीक्षा बैठक में सामने आई अनियमितताएं,

कई कर्मियों पर निलंबन और वेतन रोकने की कार्रवाई

धनबाद, एजेंसी। गोविंदपुर प्रखंड में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की स्थिति की समीक्षा उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में की गई। समीक्षा बैठक से पहले जिला प्रशासन की आठ अलग-अलग टीमों ने विभिन्न पंचायतों में पहुंचकर योजनाओं, सरकारी संस्थानों और निर्माणाधीन कार्यों का औचक निरीक्षण किया।

जांच रिपोर्ट के आधार पर समीक्षा बैठक में कई मामलों में कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए। निरीक्षण के दौरान कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर उदयपुर और जमडीहा पंचायत के पंचायत सचिवों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्देश दिया गया। वहीं गोविंदपुर के बीपीओ पर कार्य में शिथिलता बरतने के आरोप में निलंबन की कार्रवाई करने को कहा गया।

समीक्षा के दौरान मुर्गाबनी पंचायत में सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठे। मामले में संबंधित संवेदक और कनीय अभियंता से स्पष्टीकरण मांगा गया। इसी पंचायत में पीडीएस दुकानों में राशन वितरण में कटौती, रेट चार्ट प्रदर्शित नहीं करने और वजन माप में गड़बड़ी की शिकायतें सामने आईं।

उपायुक्त ने संबंधित डीलरों पर कार्रवाई करते हुए प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से जवाब-तलब करने का निर्देश दिया। आंगनबाड़ी केंद्रों के निरीक्षण में रखरखाव और अभिलेख संधारण में गंभीर कमियां पाई गईं। इसके बाद संबंधित महिला पर्यवेक्षिका का वेतन रोकने का निर्देश दिया गया। वहीं, सहराज स्थित एक आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका और सहायिका को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने को कहा गया।

स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा में बांधडीह स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति संतोषजनक नहीं मिलने पर वहां के सीएचओ का वेतन रोकने का निर्देश दिया गया। वहीं, भीतिया के सीएचओ से नए भवन का हैंडओवर नहीं लेने के कारण स्पष्टीकरण मांगा गया। फुफुआडीह और सहराज में स्वास्थ्य उपकेंद्र निर्माण कार्य में गुणवत्ता संबंधी खामियां मिलने पर संबंधित कनीय अभियंताओं का वेतन रोकने का आदेश दिया गया। इसके अलावा भीतिया में स्पोर्ट्स स्टेडियम निर्माण कार्य में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित कनीय अभियंता का वेतन रोकते हुए विभागीय कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने निर्माण कार्यों में देरी या गुणवत्ता से समझौता करने वाले सभी संवेदकों और निर्माण एजेंसियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए उन्हें ब्लैकलिस्ट करने तथा लंबित भुगतान रोकने का निर्देश दिया।

बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन ने स्पष्ट कहा कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शिता के साथ आम लोगों तक पहुंचे, यह प्रशासन की प्राथमिकता है। यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता, भ्रष्टाचार या कार्य में देरी की शिकायत मिलती है तो संबंधित अधिकारियों और कर्मियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, डीआरडीबी निदेशक राजीव रंजन, बीडीओ जाहिर आलम, सीडीपीओ, मनरेगा पीओ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

एटीएम में कार्ड फंसाकर 47800 रुपये की ठगी, जांच में जुटी पुलिस

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के जमशेदपुर शहर में साइबर ठगों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के भालूबासा स्थित एसबीआई एटीएम का है, जहां झांसा देकर एक व्यक्ति के खाते से 47,800 रुपये उड़ा लिए गए। घटना के संबंध में रेडियो मैदान निवासी कामता प्रसाद ने रविवार को थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़ित कामता प्रसाद शनिवार को एटीएम से पैसे निकालने गए थे।

इसी दौरान उनका एटीएम कार्ड मशीन में फंस गया। वहां मौजूद एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें मदद का झांसा दिया और सलाह दी कि वे बैंक के अंदर जाकर इसकी शिकायत करें। कामता प्रसाद जैसे ही बैंक की ओर बढ़े, उनके मोबाइल पर पैसे कटने के मैसेज आने लगे। जब तक वे कुछ समझ पाते, शातिर ठग ने उनके खाते से 47,800 रुपये निकाल लिए थे।घटना की सूचना पाकर सीतारामडेरा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता रैली, शिक्षण संस्थानों के बाहर तंबाकू बिक्री पर रोक की मांग

रांची, एजेंसी। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर रविवार को राजधानी रांची में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम 'निकोटिन और तंबाकू की लत का आकर्षण बेनकाब करें' रखी गई है। इसी कड़ी में रांची विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में जागरूकता रैली निकालकर लोगों को तंबाकू और निकोटिन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया।

रैली के माध्यम से युवाओं और आम लोगों को तंबाकू सेवन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य खतरों की जानकारी दी गई। रैली में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और एनएसएस स्वयंसेवक शामिल हुए। विद्यार्थियों ने हाथों में बैनर, पोस्टर और जागरूकता संदेशों वाली तख्तियां लेकर लोगों से तंबाकू का सेवन छोड़ने की अपील की। रैली के दौरान 'तंबाकू छोड़ो, जीवन जोड़ो', स्वस्थ युवा, स्वस्थ भारत और 'कैंसर से बचना है तो तंबाकू छोड़ना है' जैसे नारों के जरिए लोगों को जागरूक किया गया। छात्रों ने कहा कि तंबाकू और निकोटिन आधारित उत्पाद युवाओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। सिगरेट, गुटखा, खैनी और अन्य तंबाकू उत्पादों के सेवन से कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी, उच्च रक्तचाप और कई अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग इसकी लत का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में समाज के हर वर्ग तक जागरूकता पहुंचाना जरूरी है।

बाबाधाम आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अच्छी खबर, कई सड़कें होंगी दुरुस्त

देवघर, एजेंसी। किसी भी जिले के विकास का आकलन वहां की आधारभूत सुविधाओं, विशेषकर सड़कों की स्थिति से किया जाता है। अच्छी सड़कें न केवल आवागमन को सुगम बनाती हैं, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास की भी तस्वीर प्रस्तुत करती हैं। देवघर जिले के कई ग्रामीण इलाकों में सड़कें लंबे समय से बदहाल स्थिति में हैं, जिससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ श्रद्धालुओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीण क्षेत्रों की जर्जर सड़कों को लेकर उठ रही शिकायतों के बीच देवघर के विधायक सुरेश पासवान ने कई महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की पहल की है। उन्होंने कहा कि देवघर एक प्रमुख धार्मिक नगरी है, जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ धाम के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मोहनपुर, देवीपुर और सारवां प्रखंड के रास्ते देवघर आते हैं, लेकिन खराब सड़कों के कारण उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

विधायक ने बताया कि मोहनपुर प्रखंड के डीएम मोड़ से हारोडीह तक लगभग 8 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण की स्वीकृति राज्य सरकार के पथ निर्माण विभाग से मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का निर्माण कार्य जल्द शुरू होने की उम्मीद है। इसके अलावा पुनासी के जीरो माइल से मनियारपुर के काशीडीह तक लगभग 16 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए आवंटन प्रक्रिया अंतिम चरण में है। स्वीकृति मिलते ही इस सड़क का निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया जाएगा।

सुरेश पासवान ने बताया कि रोहिणी रेलवे फाटक से जीतपुर तक लगभग 8 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण का प्रस्ताव भी राज्य सरकार को भेजा गया है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद इस परियोजना पर भी कार्य शुरू किया जाएगा। विधायक ने यह भी जानकारी दी कि पुनासी डैम के सौंदर्यीकरण को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सर्वेक्षण कराया गया है। आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद आने वाले कुछ महीनों में इस दिशा में भी कार्य शुरू होने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि देवघर को एक विकसित और आधुनिक शहर के रूप में स्थापित करने के लिए जिला प्रशासन और राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। देवघर देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों का स्वागत करता है, जिससे इसकी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बनी हुई है। ऐसे में सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

विधायक ने बताया कि इन सभी परियोजनाओं को गति देने के लिए उन्होंने खुद मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा कराने का प्रयास किया है। अब लोगों की निगाहें इन घोषणाओं के क्रियान्वयन पर टिकी हैं।

राज्यसभा चुनाव: प्रदेश कांग्रेस प्रभारी ने अपने विधायकों से की वन टू वन बात!

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में राज्यसभा चुनाव की सरगर्मी आज सत्ताधारी गठबंधन के प्रमुख घटक दल कांग्रेस में तेज रही। कांग्रेस प्रभारी और तेलांगना के डिप्टी सीएम ने मुख्यमंत्री से उनके आवास पर मुलाकात की। वहीं उसके बाद दोनों नेताओं ने मोरहाबादी स्थित स्टेट गेस्ट हाउस में पार्टी विधायकों से वन टू वन मुलाकात की और राज्यसभा चुनाव को लेकर उनकी राय ली।

प्रदेश प्रभारी के। राजू और तेलांगना के डिप्टी सीएम तेलांगना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का से मुलाकात के बाद डिप्टी सीएलपी राजेश कच्छप ने कहा कि हमें गठबंधन के साथ चुनाव लड़ना है और गठबंधन मजबूत है। हम सबों की इच्छा है कि झामुमो से एक और कांग्रेस से भी एक उम्मीदवार राज्यसभा के चुनाव लड़े।

उन्होंने कहा कि हमारे पास पर्याप्त संख्या बल है और इस संख्या को बचा कर रखना है। संख्याबल नहीं होते हुए भी बीजेपी ने चुनाव में अपना प्रत्याशी उतारने की घोषणा की है, न तो बीजेपी के पास एक सीट जीता पाने की संख्या है और न ही ह्ष्ठ गठबंधन के पास। लेकिन उसके बाद भी भाजपा अपना उम्मीदवार उतारेगी, इसके पीछे की उसकी मंशा क्या है यह समझा जा सकता है।

राजेश कच्छप ने कहा कि हमारे पास दोनों सीट जीतने की पर्याप्त संख्या है। जिसे हमें वोट के रूप में राज्यसभा चुनाव में परिवर्तित करना है और हमें विश्वास है कि इन दोनों सीट को हम जरूर जीतेंगे।

वहीं विधायक जयमंगल उर्फ अनूप सिंह ने कहा कि सीएम से प्रदेश प्रभारी और तेलांगना के डिप्टी सीएम ने मुलाकात की है। उन्होंने कहा कि आज केंद्रीय नेतृत्व ने यह विश्वास दिलाया है कि राज्यसभा के चुनाव में प्रदेश से ही उम्मीदवार होगा।

जिससे यहां के कार्यकर्ता को सम्मान मिलेगा यह बहुत ही अच्छी पहल राष्ट्रीय अध्यक्ष की तरफ से की गई है। सभी विधायक एकजुट है और हम बहुमत में है। आखिरी निर्देश सीएम को देना है कि सीट शेयरिंग क्या होगी और राज्यसभा उम्मीदवार के चयन के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वयं निर्णय ले तो यह बेहतर होगा।

रिम्स में 5 वर्षीय बच्ची की सफल ओपन हार्ट सर्जरी, आयुष्मान योजना के तहत मिला निःशुल्क उपचार

रांची, एजेंसी। राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स के कार्डियोथोरेसिक विभाग ने पिछले सोमवार को जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित 05 वर्षीय बच्ची की सफल ओपन हार्ट सर्जरी कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। रिम्स के जनसंपर्क अधिकारी डॉ शिशिर कुमार महतो ने इसकी जानकारी दी है।

उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि बच्ची के हृदय में जन्म से छेद (सेप्टल डिफेक्ट) था, जिसके कारण उसे सांस फूलना, बार-बार निमोनिया होना, धड़कन तेज होना तथा वजन न बढ़ने जैसी गंभीर समस्याएं हो रही थी। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी विभाग द्वारा बच्ची का इकोकार्डियोग्राफी और कार्डियक सीटी जांच के बाद बीमारी की पुष्टि हुई थी।

चिकित्सकों के अनुसार, समय पर उपचार न मिलने पर ऐसी स्थिति फेफड़ों के दबाव में वृद्धि और आगे चलकर गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकती थी। सर्जरी के दौरान हृदय के छेद को सफलतापूर्वक बंद किया गया। ऑपरेशन के बाद बच्ची की स्थिति स्थिर है और उसके लक्षणों में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। यह उपचार आयुष्मान योजना के तहत पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराया गया।

विभाग ने 28 मई को बच्ची का पांचवां जन्मदिन भी अस्पताल परिसर में स्नेह एवं उल्लास पूर्वक मनाया। इस सफल सर्जरी का नेतृत्व डॉ। राकेश चौधरी ने किया। कार्डिएक एनेस्थीसिया टीम का नेतृत्व प्रो। डॉ। शिव प्रिये और डॉ। मुकेश कुमार ने किया। जबकि रेजिडेंट डॉक्टरों, ओटी असिस्टेंट्स, परफ्यूजनिस्ट, आईसीयू नर्सिंग एवं फ्लोर स्टाफ ने मरीज की त्वरित और समन्वित देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मरीज के परिजनों ने सफल उपचार और संवेदनशील देखभाल के लिए रिम्स के कार्डियोथोरेसिक विभाग, चिकित्सकों और समस्त स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया है। जल्द ही पूर्ण स्वस्थ होकर बच्ची अपने घर लौट जाएगी।

आपराधिक गैंग झंगुर ग्रुप के सरगना सहित तीन ने किया सरेंडर, कई जिलों में था आतंक

रांची, एजेंसी। जिला पुलिस के सामने कुख्यात आपराधिक झंगुर ग्रुप के तीन सदस्यों ने एक साथ आत्मसमपर्ण कर दिया है। सरेंडर करने वालों में झांगुर ग्रुप के प्रमुख रामदेव उरांव सहित दो अन्य शामिल है।

रांची सीनियर एसपी राकेश रंजन ने बताया कि झंगुर ग्रुप के तीन सदस्य सरेंडर करना चाह रहे हैं। जिसमें गिरोह के फिरार सक्रिय कुख्यात अपराधकर्मी झांगुर ग्रुप के प्रमुख रामदेव उरांव भी है। इस सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण रांची के निर्देशन में दीपक कुमार, पुलिस उपाधीक्षक बेड़ो के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। प्राप्त आसूचना के आधार पर उक्त टीम बेड़ो थानान्तर्गत लमकाना पहुंची। इस अपराधकर्मियों के सन्दर्भ में समान सूचना गुमला जिला पुलिस को भी मिली, उनके द्वारा आसूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक, गुमला द्वारा पु0अ0नि0 मोहन कुमा सिंह, थाना प्रभारी घाघरा एवं पु0अ0नि0 विकास कुमार, घाघरा थाना तथा सशस्त्र बल को सम्मिलित कर एक टीम राँची-गुमला सीमा पर भेजी गयी।

दोनों ही जिलों की टीम गुमला रांची जिला के सीमा पर पहुंची तो पुलिस को देखते ही इन तीनों के द्वारा स्वयं को संगठित अपराध गिरोह झांगुर ग्रुप का प्रमुख एवं सक्रिय क्रियावादी बताया एवं झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर समाज के मुख्य धारा में जुड़ने हेतु आत्मसमर्पण करने की इच्छा जतायी।

झामुमो ने बीएलओ तैनाती, मतदाता सत्यापन और डेटा पारदर्शिता पर उठाए सवाल

रांची, एजेंसी। झारखंड में मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। राज्य के सबसे बड़े और सत्ताधारी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा ने राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को पत्र लिखकर BLO की तैनाती, मतदाता सत्यापन प्रक्रिया और डेटा पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय के हस्ताक्षर से जारी पत्र में सात बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट करने और चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी व त्रुटिरहित बनाने का आग्रह आयोग से किया गया है।

जेएमएम ने अपने पत्र में कहा है कि एसआईआर के दौरान जीआईएस आधारित हाउस-मैपिंग में बड़ी संख्या में मतदाता श्रेणी में चले जाते हैं। पार्टी का आरोप है कि अन्य राज्यों में इस श्रेणी को आधार बनाकर बिना पर्याप्त सत्यापन के मतदाताओं को सूची से हटाने जैसी गड़बड़ियां सामने आई हैं। पत्र में बिहार एसआईआर 2023 का उदाहरण देते हुए कहा गया कि हजारों मतदाताओं को बिना 30 दिन की अनिवार्य सूचना के फॉर्म-7 के माध्यम से हटा दिया गया, जिसे बाद में सुधारना पड़ा।

झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने स्पष्ट किया है कि किसी भी मतदाता को 'अनमैप्ड' या संदिग्ध मानने से पहले बीएलओ द्वारा कम से कम दो अलग-अलग दिनों में भौतिक सत्यापन अनिवार्य किया जाए। साथ ही, बीएलओ तैनाती से पहले एक लिखित स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर जारी करने की मांग की गई है, ताकि प्रक्रिया में एकरूपता और पारदर्शिता बनी रहे।

इस पत्र में संथाल परगना, कोल्हान और दक्षिणी छोटानागपुर जैसे क्षेत्रों का विशेष उल्लेख करते हुए कहा गया है कि यहां भाषाई और सामाजिक विविधता के कारण बीएलओ के काम में जटिलता बढ़ जाती है। जेएमएम ने मांग की है कि अनुसूचित क्षेत्रों में संथाली भाषा जानने वाले बीएलओ की नियुक्ति हो या फिर संथाली भाषी सहायकों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बीएलओ को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार विशेष प्रशिक्षण दिया जाए।

झामुमो ने अपने पत्र के माध्यम से यह भी मांग की है कि फॉर्म-6 के जरिए जोड़े गए नए मतदाताओं की अलग सूची उपलब्ध कराई जाए, ताकि राजनीतिक दल स्वतंत्र रूप से उनका सत्यापन कर सकें। इसके अलावा प्रणाली में ऐसे मतदाताओं की अलग पहचान और उनकी भागवार-जिलावार संख्या भी साझा करने की मांग की गई है।

जेएमएम ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि मान्यता प्राप्त दलों को प्रारूप मतदाता सूची से कम से कम 30 दिन पहले डेटा उपलब्ध कराया जाना चाहिए। 'अनमैप्ड मतदाता सूची', 'प्रस्तावित विलोपन सूची' और रीड-ओनली एक्सेस दिया जाए। पार्टी ने ष्टश्वह्र से इन सभी बिंदुओं पर स्पष्ट समय-सारणी जारी करने की भी मांग की है और आग्रह किया है कि 15 दिनों में झामुमो द्वारा उठाए गए सवालों का समाधान करने की मांग की है। पार्टी ने उम्मीद जताई है कि चुनाव आयोग इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार कर समयबद्ध कार्रवाई करेगा।

झारखंड में एसआईआर 2025-26 की प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही जेएमएम के इस पत्र ने चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता और तकनीकी पहलुओं पर नई बहस छेड़ दी है। अब नजर इस बात पर है कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी इन सवालों पर क्या रुख अपनाते हैं और क्या एलआईआर प्रक्रिया को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बिहार के मॉडल स्कूलों में टीचर भर्ती का दूसरा मौका, फिर खुले आवेदन

पटना, एजेंसी। बिहार के मॉडल स्कूलों में शिक्षक भर्ती का दूसरा मौका मिलने वाला है। शिक्षकों की नियुक्ति के लिए फिर से आवेदन खुल गए हैं। 13 जून तक चयनित अभ्यर्थियों की लिस्ट (मेरिट लिस्ट) जारी की जाएगी। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग ने राज्य के सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) में शिक्षकों के चयन की प्रक्रिया को दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सज्जन आर की ओर से सभी जिलाधिकारियों को जारी लेटर में कहा गया है कि राज्य के विभिन्न सरस्वती विद्या निकेतन विद्यालयों में उपलब्ध रिक्तियों के अनुरूप शिक्षकों का चयन अपेक्षित संख्या में नहीं हो सका है। ऐसे में रिक्त पदों को भरने के लिए फिर आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। शिक्षा विभाग के अनुसार, 27 मई 2026 को आदर्श विद्यालयों के संचालन की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि अधिकांश विद्यालयों में निर्धारित रिक्तियों के मुकाबले पर्याप्त शिक्षकों का चयन नहीं हुआ है। सरकार ने इन विद्यालयों की स्थापना 'सात निश्चय-3' कार्यक्रम के तहत 'उन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्य' एजेंडे के अंतर्गत की है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी रिक्त पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति आवश्यक मानी गई है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग ने मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप चयन समिति को नए सिरे से चयन प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया है। शिक्षा विभाग ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर चयन प्रक्रिया पूरी कर रिक्त पदों पर योग्य शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित करें, ताकि आदर्श विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियां सुचारु रूप से संचालित हो सकें।

बिहार में जमीन विवाद के चलते हत्या, अपराधियों ने दिनदहाड़े सिर में सटाकर मारी गोली

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना से सटे फुलवारीशरीफ के नत्थूपुर से हत्या की खबर आई है। यहां के एक युवक की अपराधियों ने शनिवार को दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी है। युवक का शव बेउर थाना क्षेत्र के बाईपास किनारे स्थित निदान अस्पताल के पास संदिग्ध अवस्था में पाया गया जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान आनंद कुमार, पिता सतीश राय के रूप में हुई है। मृतक मूल रूप से नत्थूपुर का रहने वाला था, लेकिन वह पिछले कुछ समय से हरिणीचक इलाके में स्थित अपने ससुराल में रह रहा था। यहीं पास में उसका शव बरामद हुआ है। बताया जा रहा है कि स्थानीय लोगों ने शनिवार करीब 11 बजे बाईपास किनारे शव पड़े होने की सूचना पुलिस नियंत्रण कक्ष को दी। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले ही परिजन शव को अपने साथ लेकर घर चले गए थे। बाद में पुलिस ने हरिणीचक स्थित ससुराल पहुंचकर शव कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए एम्स पटना भेजा। शख्स के सिर के पिछले हिस्से में सटाकर गोली मारी गई थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही बेउर थाना अध्यक्ष और फुलवारी डीएसपी-1 सुशील कुमार भी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। चचेरे भाई ने हत्या के पीछे जमीन विवाद को वजह बताया है। भाई का आरोप है कि शख्स का गोटिया पोटाली राय और राजू राय के साथ जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था और इसी रंजिश में आनंद कुमार की हत्या की गई है। परिजनों ने इस पूरे मामले में कुछ लोगों को नामजद करते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले में फुलवारी डीएसपी-1 सुशील कुमार ने बयान देते हुए बताया कि युवक के कान के पीछे सर में सटकर गोली मारने का निशान मिला है, पुलिस सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है। जल्द ही अपराधी गिरफ्त में होंगे।

पुणे-दानापुर स्पेशल ट्रेन में यात्री की संदिग्ध मौत, दानापुर स्टेशन पर कोच से मिला शव

दानापुर, एजेंसी। पुणे-दानापुर स्पेशल ट्रेन में एक यात्री की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। शनिवार को ट्रेन के दानापुर रेलवे स्टेशन पहुंचने पर एक कोच से यात्री का शव बरामद होने के बाद स्टेशन परिसर में हड़कंप मच गया। मृतक ट्रेन के भीतर बेल्ट के सहारे लटका हुआ मिला। फिलहाल राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) मामले की जांच में जुटी है। कोच में मिला संदिग्ध हालत में शव : प्राप्त जानकारी के अनुसार पुणे से दानापुर आ रही स्पेशल ट्रेन के सफर के दौरान सहयात्रियों को एक यात्री की गतिविधियां काफी देर तक दिखाई नहीं दीं। संदेह होने पर यात्रियों और रेलवे कर्मियों ने स्थिति की जांच की तो संबंधित यात्री को बेल्ट के सहारे लटका हुआ पाया गया। इसके बाद रेलवे अधिकारियों को तत्काल सूचना दी गई। ट्रेन के दानापुर स्टेशन पहुंचते ही रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और कोच को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। स्नस्रुकी टीम ने मौके पर पहुंचकर छानबीन सबूत जटाने के लिए काम शुरू कर दिया।दानापुर के जीआरपी थानाध्यक्ष अजय कुमार ने फोन पर बताया कि यह ट्रेन प्रयागराज में खाली हो जाती है। जिसके बाद कोई शख्स कोच के अंदर घुसकर दोनों तरफ से गेट लॉक करके आत्महत्या कर लिया।

श्रेय लेने की होड़ पर भिड़े जेडीयू विधायक और चिराग के नेता,

कपरपुरा रेलवे गुमटी खुलने के दौरान विवाद

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के कांटी प्रखंड स्थित कपरपुरा रेलवे गुमटी संख्या-107 को करीब तीन महीने बाद फिर से खोल दिया गया। गुमटी खुलने से जहां स्थानीय लोगों में खुशी है, वहीं इसके श्रेय को लेकर राजनीतिक विवाद भी सामने आया है। उद्घाटन के दौरान वैशाली सांसद वीणा देवी की मौजूदगी में कांटी के जदयू विधायक अजीत कुमार और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के जिलाध्यक्ष चुलबुल शाही के बीच तीखी बहस हो गई। इसका वीडियो भी सामने आया है, जो इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।

गुमटी खुलने के दौरान विवाद: दरअसल, शनिवार को कपरपुरा रेलवे गुमटी को औपचारिक रूप से खोले जाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। लंबे समय से बंद इस रेलवे गुमटी के खुलने से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल था। इसी दौरान मंच और कार्यक्रम में प्राथमिकता तथा गुमटी खुलवाने के श्रेय को लेकर जदयू विधायक अजीत कुमार और लोजपा (रामविलास) जिलाध्यक्ष चुलबुल शाही के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

मौजूद लोगों के हस्तक्षेप से शांत हुआ मामला : मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान चुलबुल शाही ने सांसद वीणा देवी से आगे आने का आग्रह किया। इसी दौरान विधायक अजीत कुमार और चुलबुल शाही के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई, जो कुछ देर तक जारी रही। हालांकि, मौके पर मौजूद लोगों ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को शांत कराया।

लोजपा (रामविलास) के जिलाध्यक्ष चुलबुल शाही ने दावा किया कि कपरपुरा रेलवे गुमटी को खुलवाने के लिए लंबे समय से आंदोलन चल रहा था। उन्होंने कहा कि वैशाली सांसद वीणा देवी ने रेल मंत्री और रेलवे अधिकारियों से कई बार बातचीत की, जिसके बाद रेलवे प्रशासन ने गुमटी खोलने का निर्णय लिया।

'जनप्रतिनिधियों में समन्वय होना चाहिए' : कांटी विधायक अजीत कुमार ने कहा कि- ''गुमटी खुलवाने के लिए लगातार प्रयास किए और विधानसभा से लेकर रेलवे के विभिन्न स्तरों तक इस मुद्दे को उठाया।'' विधायक ने कहा कि- ''मैने केवल इतना कहा था कि क्षेत्र से जुड़े कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय होना चाहिए, लेकिन इसी दौरान कुछ लोग उनसे उलझ गए, जिससे विवाद की स्थिति बन गई।''

22 फरवरी से बंद थी गुमटी: रेलवे द्वारा अंडरपास निर्माण कार्य को लेकर कपरपुरा रेलवे गुमटी संख्या-107 को 22 फरवरी की मध्यरात्रि से बंद कर दिया गया था। इसके कारण कांटी और आसपास के दर्जनों गांवों का सीधा संपर्क प्रभावित हो गया था। लोगों को बाजार, अस्पताल और अन्य जरूरी कामों के लिए 10 से 15 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही थी।

बंगला खाली नहीं करने पर मंत्री ने पूर्व सीएम राबड़ी देवी को बताया दलित विरोधी

पश्चिमी चंपारण, एजेंसी। बिहार में आवास विवाद ने नया रूप ले लिया है। डेयरी और मत्स्य विभाग के मंत्री नंदकिशोर राम ने शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी पर दलित भेदभाव का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राबड़ी देवी उनके आबंटित आवास को खाली नहीं कर रही हैं क्योंकि वे दलित समाज से आते हैं।

मंत्री ने ऋछ्ठ को बताया दलित विरोधीः मंत्री नंदकिशोर राम ने राबड़ी देवी पर हमला बोलते हुए कहा कि उनके पास पहले पटना में कोई आवास नहीं था, इसलिए सरकार ने उन्हें 10 सर्कुलर रोड का बंगला आबंटित किया था। अब जब यह बंगला उन्हें आवंटित किया गया है तो राबड़ी देवी इसे खाली करने से इनकार कर रही हैं। मंत्री ने आरजेडी को पूर्ण रूप से दलित विरोधी बताया।

राबड़ी देवी का साफ इनकारः पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने स्पष्ट कहा है कि वे 10 सर्कुलर रोड स्थित बंगला किसी भी हालत में खाली नहीं करेंगी। उन्होंने सम्राट चौधरी पर तंज कसते हुए कहा कि अगर चाहें तो फोर्स बुलाकर बंगला खाली करा लें। राज्य सरकार ने उन्हें 39 हार्डिंग रोड पर नया आवास आवंटित किया है, लेकिन वे शिफ्ट होने को तैयार नहीं हैं।

पुलिस पहुंची राबड़ी आवासः राबड़ी देवी के इनकार के कुछ घंटों बाद पटना पुलिस की टीम 10 सर्कुलर रोड पहुंची। पुलिस ने उन्हें नए आवास पर शिफ्ट होने की बात कही। लालू परिवार लंबे समय से इस बंगले में रह रहा है। कई नोटिस दिए जाने के बावजूद राबड़ी देवी अड़ी हुई हैं।

'मेरा एकमात्र कसूर दलित होना है' -नंदकिशोरः मंत्री नंदकिशोर राम ने कहा कि रामनगर की दलित आरक्षित सीट से चुनाव लड़कर वे मंत्री बने, लेकिन उनका एकमात्र कसूर यह है कि वे दलित हैं। इसी कारण राबड़ी देवी उनके साथ ऐसा व्यवहार कर रही हैं।

बिहार में एनसीबी की बड़ी कार्रवाई: 3.5 करोड़ कैश और 10 बोरा डोडा बरामद

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के मोतिहारी से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है। नारकोटिक्स ब्यूरो यानी एनसीबी ने ड्रग्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब साढ़े तीन करोड़ रुपए नकद और भारी मात्रा में डोडा बरामद किया है। इस मामले में कुख्यात ड्रग्स तस्कर पप्पू जायसवाल को गिरफ्तार किया गया है, जो हिंदरी बाजार का बड़ा किराना व्यवसायी है।

साइकिल से अधिकारी ने की रेकीः मामला मोतिहारी नगर थाना क्षेत्र के हिंदरी बाजार का है। नारकोटिक्स ब्यूरो को सूचना मिली थी कि इलाके में किराना व्यवसाय की आड़ में ड्रग्स का बड़ा सिंडिकेट एक्टिव है। इस इनपुट के बाद एनसीबी ने करीब एक सप्ताह तक सादे लिबास में रेकी की। एक अधिकारी साइकिल से रोज तस्कर की गतिविधियों पर नजर रख रहा था। रेकी के दौरान स्थानीय लोगों ने शक के आधार पर साइकिल सवार एनसीबी अधिकारी को पकड़ भी लिया था, जिसे बाद में टीम ने मुक्त कराया।

पुख्ता जानकारी मिलने के बाद एनसीबी की टीम ने बीती रात एक साथ तीन जगहों पर दबिश दी - हिंदरी बाजार पानी टंकी के पास स्थित किराना दुकान, गोदाम और तस्कर पप्पू जायसवाल के घर पर। सबसे पहले टीम किराना दुकान पहुंची, जहां तलाशी के दौरान चार ड्रमों में छिपाकर रखा गया कैश बरामद हुआ। तस्कर ने ड्रम के अंदर नोटों की गड्डियां रखी थीं और ऊपर से तेल के पाउच डाल दिए थे, ताकि किसी को शक न हो।

गोदाम और घर पर छापेमारीः दुकान के बाद टीम हिंदरी बाजार स्थित गोदाम पहुंची। यहां से करीब दस बोरा डोडा पदार्थ बरामद किया गया। इसके बाद टीम तस्कर के घर भी गई, जहां से भी कुछ नकदी मिली। कुल मिलाकर लगभग साढ़े तीन करोड़ रुपए कैश और भारी मात्रा में ड्रग्स जब्त किया गया है। गिरफ्तार तस्कर पप्पू जायसवाल मूल रूप से पिपरा का रहने वाला है और पिछले चार साल से हिंदरी बाजार में किराना दुकान चला रहा था।

'हमें गुप्त सूचना मिली थी कि किराना दुकान की आड़ में ड्रग्स का कारोबार हो रहा है। एक सप्ताह की रेकी के बाद हमने रेड की। चार ड्रम कैश और दस बोरा डोडा बरामद हुआ है। आरोपी करीब 25 साल से इस धंधे में हैं। फिलहाल गिरफ्तार पप्पू जायसवाल से एनसीबी की टीम पूछताछ कर रही है। इस सिंडिकेट से जुड़े अन्य लोगों की गिरफ्तारी भी जल्द होगी।

पूरा परिवार अवैध धंधे में शामिलः सूत्रों के मुताबिक पप्पू जायसवाल का मुजफ्फरपुर के मोतीपुर में एक बड़ा लाइन होटल भी चलता है। हैरानी की बात यह है कि पप्पू का पूरा परिवार नशे के कारोबार से जुड़ा है। उसका भाई शराब तस्कर बताया जाता है, जबकि बेटा मनीष जायसवाल शराब कारोबार के मामले में पहले जेल जा चुका है। पप्पू पिछले 25 साल से ड्रग्स के अवैध धंधे में सक्रिय था। एनसीबी की इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है।

25000 तक सैलरी और कई सुविधाएं, 10वीं पास से बीटेक तक कर सकते हैं अप्लाई

बेगूसराय, एजेंसी। बिहार के बेगूसराय जिले में निजी क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए जिला नियोजनालय ने एक बार फिर सक्रिय पहल की है। 3 जून 2026 को संयुक्त श्रम भवन, पन्हास स्थित आईटीआई कैंपस में एक दिवसीय रोजगार शिविर का आयोजन किया जाएगा।

10वीं पास से बीटेक तक कर सकते हैं आवेदनः इस भर्ती में 10वीं, 12वीं, आईटीआई, बी।ई। और बी।टेक पास युवा भाग ले सकते हैं। आयु सीमा 18 से 34 वर्ष रखी गई है। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी के प्रोडक्शन, असेंबली और क्वालिटी विभाग में ट्रेनिंग दी जाएगी। योग्यता के अनुसार विभिन्न पदों पर नियुक्ति होगी, जिससे युवाओं को स्किल डेवलपमेंट के साथ स्थिर रोजगार मिल सकेगा।

24,500 तक सैलरी और अतिरिक्त सुविधाएंः कंपनी चयनित उम्मीदवारों को 18,000 से 24,500 प्रतिमाह तक वेतन देगी। इसके अलावा बस सुविधा, कैंटीन सुविधा और मेडिक्लेम पॉलिसी जैसी अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। कार्यस्थल महाराष्ट्र के पुणे स्थित रंजनगांव होगा। यह पैकेज बिहार के युवाओं के लिए आकर्षक माना जा रहा है।

भाग लेने वाले युवाओं का राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल पर पंजीकरण होना जरूरी है। अभ्यर्थियों को बायोडाटा, आधार कार्ड, पैन कार्ड, सभी शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, अंकपत्र और दो पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो साथ लाना होगा। जिला नियोजन विभाग के जेएसए राहुल कुमार और वाईपी पंकज राजपूत ने स्पष्ट किया कि बिना पूर्ण दस्तावेजों वाले उम्मीदवारों को चयन प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाएगा।

पन्हास में लगेगा जॉब कैंप, जानें पूरा कार्यक्रमः जिला नियोजनालय, बेगूसराय द्वारा आयोजित यह रोजगार शिविर सुबह 10:30 बजे शुरू होगा। कार्यक्रम का आयोजन श्रम संसाधन विभाग के अंतर्गत किया जा रहा है। जिला नियोजन पदाधिकारी राणा अमितेश ने बताया कि इस शिविर में स्थानीय बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र की बेहतर नौकरियों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

2 जून तक पटना में बंद रहेंगे 5वीं तक के स्कूल

संशोधित आदेश में आंगनबाड़ी केंद्र फैसले से बाहर

पटना, एजेंसी। राजधानी पटना समेत जिलेभर में लगातार बढ़ रहे तापमान और भीषण गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला लिया है। पटना जिलाधिकारी डॉ। त्यागराजन एसएम ने पहले जारी आदेश में संशोधन करते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन को लेकर नई व्यवस्था लागू की है।

2 जून तक 5वीं तक के स्कूल बंद : जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार, जिले के सभी निजी और सरकारी विद्यालयों में प्री-स्कूल तथा वर्ग 5 तक की शैक्षणिक गतिविधियों पर 2 जून 2026 तक पूर्ण प्रतिबंध जारी रहेगा। यह निर्णय भीषण गर्मी और लू की स्थिति को देखते हुए लिया गया है, ताकि बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

संशोधित आदेश में आंगनबाड़ी को राहत : हालांकि, संशोधित आदेश में आंगनबाड़ी केंद्रों को राहत दी गई है। डीएम ने कहा है कि सबसे कमजोर आयु वर्ग यानी 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए पोषण संबंधी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को पूर्वाह्न 10 बजे तक संचालित करने की अनुमति दी गई है।

पोषण के लिए प्रशासन ने दी छूट : प्रशासन का मानना है कि छोटे बच्चों को पोषण आहार और अन्य आवश्यक सेवाएं नियमित रूप से मिलती रहें, इसलिए आंगनबाड़ी केंद्रों का सीमित समय तक संचालन जरूरी है। वहीं स्कूलों में पढ़ाई पर लगी रोक पहले की तरह प्रभावी रहेगी। यह संशोधित आदेश 29 मई 2026 को जिलाधिकारी डॉ। त्यागराजन एसएम के हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर के साथ जारी किया गया है।

अत्यधिक तापमान बच्चों के लिए खतरनाक : जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि दोपहर के समय अत्यधिक तापमान बच्चों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। ऐसे में एहतियात के तौर पर यह कदम उठाया गया है। जिला प्रशासन ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे बच्चों को तेज धूप और गर्मी से बचाकर रखें तथा आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलने दें।

24 साल देश सेवा और सर्वोच्च बलिदान

शहीद मनीष के घर पहुंचे मंत्री श्रवण कुमार

नालंदा, एजेंसी। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास सह सूचना जनसंपर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार एक दिवसीय दौरे पर अपने गृह क्षेत्र नालंदा पहुंचे। जहां वे सबसे पहले असम में तैनात शहीद जवान मनीष कुमार के घर एकंगरसराय थाना क्षेत्र के महुआबाग पहुंचे। वहां उन्होंने मृत सीआरपीएफ जवान के माता-पिता एवं भाई से मिलकर ढांढस बंधाया और सांत्वना दी।

शहीद जवान मनीष कुमार को दी श्रद्धांजलिः शहीद जवान को श्रद्धांजलि देते हुए मंत्री ने कहा कि आपके बेटे की कुर्बानी को कभी भुला नहीं जा सकता है। मनीष कुमार का मणिपुर के एक अस्पताल में ब्रेन हैमरेज से निधन हो गया था। देश सेवा में 24 साल समर्पित करने वाले इस वीर जवान के निधन से पूरा देश मर्माहत और गमगीन है।

'मनीष कुमार ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। यह हम लोग कभी नहीं चुका सकते, लेकिन पूरा देश और सरकार परिवार के साथ खड़ी है। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और सरकार परिजनों की हर संभव मदद करेगी।' -श्रवण कुमार, मंत्री, बिहार

वीर सैनिक इतिहास में हमेशा अमर रहते हैंः परिजनों को सांत्वना देते हुए उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियां उनकी वीरता से प्रेरणा ले सकें, यही हमारी कोशिश होगी। वीर सैनिक कभी मरते नहीं हैं, वे हमेशा के लिए अमर हो जाते हैं। आपके बेटे का नाम भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा।

सम्मान के साथ अंतिम संस्कारः आपको बताते चलें कि शहीद सीआरपीएफ जवान मनीष कुमार साल 2002 में भर्ती हुए थे। वे मणिपुर के जिरीबाम-इम्फाल क्षेत्र में 87वीं बटालियन में तैनात थे। सीटीसी-5 के असिस्टेंट कमांडेंट नीरज कुमार और इंस्पेक्टर डी। के। सिंह, मनीष के शव को उनके पैतृक गांव महुआबाग तिरंगे में लपेटकर लाए थे। उनके पार्थिव शरीर का फतुहा में अंतिम संस्कार किया गया। मृतक जवान अपने पीछे पत्नी और तीन बच्चे छोड़ गए हैं, जिनमें दो बेटियां और एक बेटा शामिल है।

नाले में गिरे मासूम के परिवार को सहायता राशिः इसके बाद मंत्री श्रवण कुमार मुख्यालय बिहार शरीफ प्रखंड कार्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने स्कूल से लौटने के दौरान खुले नाले में गिरकर मृत हुए 7 वर्षीय मोहम्मद जैद के आश्रितों को 4 लाख रुपए का चेक सहायता राशि के रूप में प्रदान किया। इस दुखद हादसे को लेकर उन्होंने परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

अनिश्चितता के भंवर में बिहार बीजेपर के कई दिग्गज नेता,

संजय सरावगी की टीम में 38 में से 17 सवर्ण

पटना, एजेंसी। बिहार में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश इकाई की गठन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने सबसे अधिक तवज्जो युवाओं को दी है। संजय सरावगी की टीम में 60% युवा चेहरे शामिल किए गए हैं। ज्यादातर पुराने चेहरे प्रदेश कमेटी से बाहर हो गए हैं। सवाल यह उठता है कि उनका क्या होगा जो प्रदेश में कई कमिटी में ताकतवर भूमिका में थे।

60% युवाओं को प्रदेश कमेटी में मिली जगह : बिहार में अगले तीन-चार साल तक कोई चुनाव नहीं है। इसलिए अभी से भाजपा संगठन को मजबूत करने में जुट गई है। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने 37 पदाधिकारी की टीम का ऐलान किया है, जिसमें की 22 युवा चेहरे हैं। इस हिसाब से लगभग 60% युवाओं को संजय सरावगी ने अपनी टीम में जगह दी है।

'प्रयोग के तहत सबकुछ हो रहा' : वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक कौशलेंद्र प्रियदर्शी कहते हैं कि आने वाले कुछ सालों तक बिहार में चुनाव नहीं होना है। इस वजह से भाजपा संगठन को धार देना चाहती है। भारतीय जनता पार्टी इन दिनों प्रयोग धर्मी भी दिख रही है। पार्टी के स्तर पर कई तरह के प्रयोग किया जा रहे हैं।

बिहार में 58% आबादी 25 वर्ष से कम उम्र की : यहां यह बताना भी जरूरी है कि बिहार युवा आबादी वाला राज्य है। राजनीतिक दल भी इस बात को शिद्दत से समझते हैं। आंकड़ों की अगर बात करें तो बिहार की लगभग 58% आबादी 25 वर्ष से कम उम्र की है, जो इसे देश का सबसे युवा राज्य बनाती है। हालिया आंकड़ों और अनुमानों के अनुसार, राज्य में 15 से 59 वर्ष के कार्यशील आयु वर्ग की संख्या लगभग 7।23 करोड़ है।

''युवाओं पर प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने भरोसा जताया है और तमाम युवा उनके भरोसे पर खड़े उतरेंगे। नई टीम से पार्टी के अंदर उर्जा का संचार हुआ है। प्रदेश अध्यक्ष ने बेहद संतुलित टीम की घोषणा की है। हर क्षेत्र के आधार पर भी बैलेंस किया गया है। जहां तक पुराने नेताओं का सवाल है तो कोई भी नेता गुमनाम नहीं होते हैं सिर्फ उनकी भूमिका बदल जाती है।

अनिश्चितता के भंवर में बीजेपी के कई नेता : बिहार बीजेपी में संगठन के काम को करने की कला कम लोगों में है। पार्टी में कई ऐसे नेता थे जो संगठन की सूझबूझ रखते थे। उसी बिनाह पर उन्हें लगातार संगठन में उपाध्यक्ष या महामंत्री बनाया जा रहा था। इस बार संजय सरावगी ने वैसे नेताओं पर कम भरोसा जताया है। फेहरिस्त में सुशील चौधरी, राधा मोहन शर्मा, शिवनारायण महतो, जनक राम, देवेश कुमार, राजेंद्र सिंह और सिद्धार्थ शंभू सरीखे नेताओं का नाम शामिल है।

बिहार में मंदिर से लौटे युवक को जिंदा जलाने की कोशिश, मंगेतर समेत चार पर एफआईआर

सिवान, एजेंसी। बिहार के सिवान के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। एक युवक को उसकी मंगेतर के परिवार द्वारा कथित रूप से मिट्टी का तेल छिड़ककर जिंदा जलाने की कोशिश किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना में गंभीर रूप से झुलसे युवक का इलाज पटना में चल रहा है। वहीं पीड़ित के पिता की शिकायत पर पुलिस ने मंगेतर समेत चार लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जख्मी युवक की पहचान आदित्य कुमार रावत के रूप में हुई है। पीड़ित के पिता द्वारा मुफस्सिल थाना में दिए गए लिखित आवेदन में बताया गया है कि उन्होंने अपने पुत्र आदित्य कुमार रावत की शादी मुफस्सिल थाना क्षेत्र में तय की थी। दोनों परिवारों के बीच विवाह की तैयारियां चल रही थीं।

आवेदन के अनुसार 27 मई को चार लोगों ने आदित्य कुमार रावत को थावे मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए बुलाया। पूजा संपन्न होने के बाद वे लोग युवक को अपने घर ले गए। आरोप है कि घर पहुंचने के बाद सभी आरोपियों ने मिलकर युवक पर मिट्टी का तेल छिड़क दिया और आग लगा दी, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया।

पीड़ित के पिता ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही वह तत्काल मौके पर पहुंचे।

संक्षिप्त समाचार

भंडारे में युवक पर चाकू से हमला, गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

वाराणसी, एजेंसी। बलिया के कोतवाली क्षेत्र के शाहपुर स्थित राजा गांव-खरौनी मार्ग पर हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित भंडारे के दौरान शनिवार देर रात एक युवक पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना के बाद मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोरधप्पा निवासी चंदन तिवारी पुत्र तारकेश्वर तिवारी अपने कुछ दोस्तों के साथ हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने पहुंचा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर वहां मौजूद कुछ युवकों से उसका विवाद हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पहले दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, लेकिन कुछ ही देर में मामला बढ़ गया और विवाद मारपीट में बदल गया। आरोप है कि विवाद के दौरान कुछ युवकों ने चंदन तिवारी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमलावरों ने उसके सिर और हाथ पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। युवक को लहूलुहान अवस्था में देखकर मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। भंडारे में शामिल श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई।

कृष्ण गोल्ड कॉलोनी में पांच मकान और 13 दुकान सील

आगरा, एजेंसी। आगरा विकास प्राधिकरण ने कालिंदी विहार, गढ़ी जीवनराम और सिरौली रोड पर अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मकान और दुकानों को सील कर दिया। एडीए ने चेतावनी दी है कि सील से छेड़छाड़ या शमन न कराने पर संबंधित निर्माणों को ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। आगरा विकास प्राधिकारी की तरफ से अवैध निर्माण पर शनिवार को कार्रवाई की गई। कालिंदी विहार स्थित कृष्ण गोल्ड कॉलोनी में पांच मकान और गढ़ी जीवनराम में सात दुकान सील की गई। सिरौली रोड पर चार मंजिल कॉम्पलेक्स में छह दुकान और दो हॉल सील करने की कार्रवाई की गई। हाथरस रोड स्थित गढ़ी जीवनराम में बीआरबी फार्म हाउस के बराबर से मुकेश शर्मा ने 110 वर्ग मीटर में सात दुकानों का अवैध निर्माण कर लिया। नोटिस के बावजूद निर्माण कार्य नहीं रोका। शनिवार को प्रवर्तन दल ने सात दुकानों को सील कर दिया। यहां से टीम कालिंदी विहार में 100 फुट रोड स्थित आरबी डिग्री कॉलेज के पास अवैध रूप से विकसित हो रही कृष्णा गोल्ड कॉलोनी पहुंची।

14 की उम्र में शुरू हुई आदत, 40 में कैंसर, तंबाकू पर आगरा की डरावनी रिपोर्ट

आगरा, एजेंसी। अरे, एक कश में कुछ नहीं होता। दो दाने खाकर तो देखो...मजा आ जाएगा। ऐसे ही शौकिया तंबाकू-सिगरेट शुरू की, फिर चस्का लगा और 8-10 साल में एक पाउच से संख्या बढ़कर प्रतिदिन तंबाकू के 6-10 पाउच तक पहुंच गई। एसएन मेडिकल कॉलेज के कैंसर रोग विभाग की ओर से 614 मरीजों (126 महिला और 488) पर किए गए अध्ययन में 77 फीसदी तंबाकू (गुटखा, खैनी) के लती मिले, जो रोजाना 6-10 पाउच तंबाकू खाने वाले थे। नतीजतन, जीभ-गाल और फेफड़े में कैंसर बन गया। अध्ययय में शामिल 26.3 फीसदी लोग (143) बीडी-सिगरेट और 25.1 फीसदी (154) दोनों का उपयोग करते थे। इनमें 40 साल से कम उम्र के 31 फीसदी मरीज रहे। 16 फीसदी में गुटखा और 27 फीसदी में बीडी-सिगरेट का शौक मिला। इन लोगों ने 14-18 की उम्र में पहली बार तंबाकू-सिगरेट का सेवन शुरू किया था। इसके बाद लत लग गई।

औंधे पड़े घड़ों में अब प्यास नहीं, मशीनें जमींदोज और बेबस मजदूर

चेहरे पर था बेतवा हादसे का दर्द

कानपुर , एजेंसी। हमीरपुर हादसे के अगले दिन कुरारा में घटनास्थल पर वीरानगी छायी रही। काम पूरी तरह बंद रहा। वहीं, पुल निर्माण में लगी मशीनें जमींदोज रहीं। कुछ मछुआरे बेतवा नदी में जरूर दिखे। सुबह मशीन चालक, कर्मचारी और अन्य स्टाफ आया, तो साथियों की नामौजूदगी का दर्द उनके चेहरे पर चस्पा रहा।

औंधे पड़े घड़े, हेलमेट, जूते, कपड़े, रस्सियां, सिलिंडर तबाही बयां करती दिखीं। पुल के टूटे हिस्से का मलबा जस का तस पड़ा दिखा। मुड़ी हुई सरिया खौफनाक हादसे की गवाही दे रही थीं। फिलहाल पुल के आसपास आम लोगों की आवाजाही रोक दी गई है। नदी के बीच बने पुल के दोनों ओर गड्ढे खोद दिए गए हैं।

मौके पर मौजूद मजदूर रफीक ने कहा कि वह छुट्टी पर था। अगर ड्यूटी पर होता तो शायद वह भी नहीं बचता। उसने बताया कि आंधी में ठेकेदार को काम बंद करा देना चाहिए था। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ और लाशें बिछ गईं। निष्पक्ष जांच जरूरी है तभी सच सामने आएगा।

सुरक्षा गार्ड ने लगाया आरोप, मजदूरों से कराया जाता था जबरन काम : घटना के समय मौजूद रहे सुरक्षा गार्ड अवध पाल ने आरोप लगाया कि कि मजदूरों से जबरन काम कराया जाता था। चेतावनी के बाद भी जिम्मेदारों ने काम बंद नहीं कराया। ड्रेस के बारे में कहा कि यहां सुरक्षा गार्ड के लिए ड्रेस नहीं जरूरी है। वह कुर्ता-पायजामा पहनकर ही ड्यूटी करते हैं।

आरोप- गुणवत्ता जांच की जानकारी नहीं दी जाती थी : हादसे में बचे गार्ड अवधपाल ने निर्माण कार्य को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि वह लंबे समय से साइट पर तैनात थे और उनके सामने ही काम चलता रहा। उन्होंने दावा किया कि बेतवा नदी से निकाली गई रेत का इस्तेमाल निर्माण में किया जा रहा था। अवधपाल के अनुसार मजदूरों को निर्माण सामग्री की गुणवत्ता जांच की कोई जानकारी नहीं दी जाती थी। उन्होंने मांग की कि रेत, सीमेंट और अन्य सामग्री की स्वतंत्र तकनीकी जांच होनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई : गार्ड ने यह भी आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में तेजी के दबाव में काम कराया जा रहा था। उनके अनुसार इंजीनियर राजू और पवन समय से पहले काम पूरा कराने में लगे थे और खराब मौसम के बावजूद निर्माण जारी रहा। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और यह जांच का विषय है।

जांच में स्थिति होगी स्पष्ट : स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि निर्माण सामग्री मानकों के अनुरूप थी तो जांच से स्थिति स्पष्ट हो जाएगी अन्यथा खामियां भी सामने आएंगी। ग्रामीणों का कहना है कि हादसे की जांच केवल मौसम पर नहीं, बल्कि निर्माण गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर भी केंद्रित होनी चाहिए। फिलहाल बेतवा किनारे पड़ा मलबा, टूटे पिलर, बाहर निकली सरिया, खराब हालत में मिली सीमेंट की बोरियां और प्रत्यक्षदर्शियों के आरोप कई ऐसे सवाल छोड़ रहे हैं जिनके जवाब तकनीकी जांच, पुलिस पड़ताल और विभागीय रिपोर्ट से ही सामने आ सकेंगे।

चेतावनी के बावजूद मजदूरों को नहीं भेजा सुरक्षित स्थान : मृतक पुष्पेंद्र सिंह चौहान के भाई राघवेंद्र सिंह ने आरोप लगाया है कि मौसम को लेकर पहले से चेतावनी जारी थी। इसके बावजूद मजदूरों को सुरक्षित स्थान पर नहीं भेजा गया। उनका कहना है कि हादसे के बाद भी कंपनी के जिम्मेदार लोग मौके पर नहीं पहुंचे। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष तकनीकी जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

मामले की गहराई से जांच होनी चाहिए

हादसे में बचे मजदूर इरफान और शफीक ने भी निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। उनका कहना है कि छह मजदूरों की मौत केवल आंकड़ा नहीं है, बल्कि पूरे मामले की गहराई से जांच होनी चाहिए ताकि वास्तविक कारण सामने आ सकें। साथ ही उन्होंने मृतकों के परिजन को दी जा रही सहायता को अपर्याप्त बताते हुए दीर्घकालिक मदद की मांग की है।

श्रम विभाग ने निर्माण कंपनी को जारी किया नोटिस

श्रम विभाग ने निर्माण कंपनी को वर्कमैन कंपनसेशन एक्ट के तहत नोटिस जारी किया है। अधिकारियों के अनुसार मृतकों के आश्रितों को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराई जा रही है और विभिन्न विभागीय टीमें मामले की जांच करेंगी।

स्टोर यार्ड में खराब मिली सीमेंट

पड़ताल के दौरान निर्माण कंपनी के स्टोर यार्ड में बड़ी संख्या में सीमेंट की बोरियां पाई गईं। कई बोरियां फटी हुई थीं और कुछ में सीमेंट जमकर कठोर हो चुका था। कुछ में नमी भी थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण सामग्री के नमूनों की जांच की जानी चाहिए।

400 रुपये पेनाल्टी का भी आरोप : प्रत्यक्षदर्शी गार्ड और कुछ परिजन ने आरोप लगाया है कि ड्यूटी पर न पहुंचने पर मजदूरी काटने के साथ अतिरिक्त पेनाल्टी भी लगाई जाती थी। उनका दावा है कि आर्थिक दबाव के चलते कई मजदूर खराब मौसम में भी ड्यूटी पर पहुंचते थे। जांच में यह पहलू भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मजदूरों की मांग : केवल मुआवजा नहीं, सच्चाई भी सामने आए बचे हुए मजदूरों का कहना है कि मृतकों के परिवारों को सहायता मिलना जरूरी है। साथ ही हादसे की वास्तविक वजह भी सामने आनी चाहिए। उनका कहना है कि जांच निष्पक्ष और तकनीकी आधार पर होनी चाहिए।

सिस्टम फेलियर बता रहे ग्रामीण : ग्रामीण सचिन सेंगर का कहना है कि यदि निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता और निगरानी के साथ हुआ होता तो इतनी बड़ी घटना नहीं होती। उनका कहना है कि जिम्मेदारी तय किए बिना केवल इसे हादसा मान लेना उचित नहीं होगा।

बड़हलगंज पुल से रील बनाते हुए सरयू में कूदा युवक, लापता... साथी को नाविकों ने बचाया

गोरखपुर, एजेंसी। नदी में डूबने की कई घटनाओं के बीच शनिवार शाम फिर बड़ा हादसा हो गया। बड़हलगंज-दोहरीघाट पुल पर रील बनाने के दौरान स्टंट करते हुए एक युवक ने अचानक सरयू नदी में छलांग लगा दी और गहरे पानी में समा गया। उसे बचाने के लिए उसका साथी भी नदी में कूद पड़ा। नाविकों ने साथी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। स्टंट करने वाले युवक का पता नहीं चल सका।

जानकारी के अनुसार, लालगंज मोहल्ला निवासी दिलशाद (23) अपने मित्र मोहम्मद सुहैल के साथ दोहरीघाट पुल पर मोबाइल से रील बना रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वीडियो को आकर्षक बनाने के उद्देश्य से उसने अचानक पुल से छलांग लगा दी।

कुछ ही देर बाद वह पानी में संघर्ष करता दिखाई दिया और तेज बहाव के बीच नियंत्रण खो बैठा। साथी को डूबता देख सुहैल ने बिना देर किए नदी में छलांग लगा दी। हालांकि वह भी धारा की चपेट में आ गया। घाट पर मौजूद नाविकों ने स्थिति को भांपते हुए तत्काल नाव लेकर बचाव शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद सुहैल को बाहर निकाल लिया। इस दौरान दिलशाद नजरों से ओझल हो चुका था।

घटना की सूचना मिलते ही बड़हलगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों और नाविकों को लगाकर नदी में तलाश अभियान चलाया गया। पुलिस ने आसपास के घाटों पर भी खोजबीन कराई लेकिन अंधेरा होने तक कोई सफलता नहीं मिली। हादसे के बाद पुल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। थाना प्रभारी सुनील राय ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि दिलशाद नशे की हालत में था। गोताखोर लगाकर खोजबीन की जा रही है।रील बनाने और सोशल मीडिया पर ज्यादा लाइक और व्यूज पाने के चक्कर में युवा जोखिम उठा रहे हैं। हाल में कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। प्रशासन की ओर से चेतावनी और जागरूकता कार्यक्रम चलाने के बावजूद खतरनाक स्थानों पर ऐसे स्टंट रुक नहीं रहे हैं।सरयू नदी के घाटों और पुलों को डूबने की घटनाओं के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है। प्रशासन की ओर से समय-समय पर लोगों को गहरे पानी में न उतरने, पुलों से छलांग न लगाने और नदी में स्टंट से बचने की चेतावनी दी जाती है।

'जिंदगी की सांसें, मशीन पर अटकीं'

हैलट में आधी मशीनें खराब, तो उर्सला में सात माह की वेटिंग

कानपुर, एजेंसी। हैलट और उर्सला अस्पताल में डायलिसिस की सुविधा बदहाल है। हैलट में आधा सिस्टम खराब पड़ा है, तो वहीं उर्सला में मरीजों को डायलिसिस के लिए सात महीने तक की लंबी वेटिंग लिस्ट का सामना करना पड़ रहा है। एचआईवी और हेपेटाइटिस-बी जैसे गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों के लिए तो यहां कोई विकल्प ही नहीं है।

केस- एक

मिर्जापुर, कल्याणपुर निवासी 28 वर्षीय मनीषा तिवारी की दोनों किडनी पिछले साल नवंबर में खराब हो गईं। लिवर भी 80 प्रतिशत डैमेज है। डॉक्टर ने हर हफ्ते दो बार डायलिसिस कराने के लिए कहा तो उनके पति रवि तिवारी ने उर्सला की डायलिसिस यूनिट में आवेदन किया, पर करीब सात महीने में भी नंबर नहीं आया। एक प्राइवेट कंपनी में काम करने वाले उनके पति रवि ने बताया कि मजबूरन एक नर्सिंगहोम में डायलिसिस करानी पड़ रही है। एक डायलिसिस में 2500 रुपये खर्च होते हैं। सामान अलग से खरीदना पड़ता है।

केस- दो

शांतिनगर, कैंट निवासी रुचि को पिछले महीने डॉक्टरों ने डायलिसिस कराने के लिए कहा। प्राइवेट जॉब करने वाले पति नारायण दास ने बताया कि उन्होंने उर्सला की डायलिसिस यूनिट और छावनी अस्पताल की डायलिसिस यूनिट में नाम लिखाया, पर दोनों जगह नाम वेटिंग लिस्ट में ही है। मजबूरन एक नर्सिंगहोम में 2400 रुपये शुल्क जमा कर डायलिसिस कराई। इसके लिए हर हफ्ते पांच हजार रुपये खर्च हो रहे हैं।

केस- तीन

फतेहपुर जिले में जहानाबाद के पास स्थित ग्राम कापिल निवासी 36 वर्षीय अमित कुमार सिक्योरिटी गार्ड थे। पिछले साल अक्तूबर में किडनी खराब होने से नौकरी छूट गई। आर्थिक स्थिति ठीक न होने की वजह से उर्सला की डायलिसिस यूनिट में निःशुल्क डायलिसिस के लिए आवेदन किया। वहां वेटिंग लिस्ट में नाम लिख लिया है। डॉक्टरों से गुहार भी लगाई, पर नंबर नहीं आया। यहां उम्मीद टूटती देख मजबूरन बार- बार बांदा जाकर डायलिसिस कराना पड़ रहा है।

केस- चार

मसवानपुर निवासी 65 वर्षीय बीबीजान के दोनों गुर्दे डेढ़ महीने पहले खराब हो गए। डॉक्टरों ने हर हफ्ते दो बार डायलिसिस कराने के लिए लिखा। पति अब्दुल रसीद ने बताया कि उर्सला की डायलिसिस यूनिट में उनकी पत्नी का नाम वेटिंग लिस्ट में लिखा गया, लेकिन नंबर नहीं आ पाया। इस बीच पत्नी की हालत बिगड़ गई तो उन्हें हैलट इमरजेंसी में भर्ती कराया। वहां से उन्हें वार्ड नंबर-15 बी में शिफ्ट किया गया। शनिवार को पत्नी की डायलिसिस हो पाई। कानपुर के हैलट और उर्सला में किडनी मरीजों को डायलिसिस के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। मरीजों की संख्या के हिसाब से इन अस्पतालों में डायलिसिस की सुविधाएं नाकाफी हैं। मशीनों की खराबी और लंबी प्रतीक्षा सूची मरीजों की परेशानी बढ़ा रही है।

सामान्य किडनी मरीजों के लिए हैं 19 बेड : इन अस्पतालों में हेपेटाइटिस-बी और एचआईवी पीड़ित किडनी मरीजों के लिए डायलिसिस की सुविधा नहीं है। सरकारी अस्पतालों में कुल 21 बेड उपलब्ध हैं। इनमें से 19 बेड सामान्य किडनी मरीजों के लिए हैं। शेष दो बेड हेपेटाइटिस-सी के मरीजों की डायलिसिस के लिए हैं। सरकारी अस्पतालों में सीमित बेड के कारण मरीज निजी अस्पतालों में महंगी डायलिसिस कराने को मजबूर हैं।

100 साल पुराना बरईगढ़ पुल पानी में समाया

निर्माण कार्य की लापरवाही से हादसा, साढ़-बकेवर मार्ग ठप

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में साढ़-बकेवर मार्ग पर रामगंगा नहर में डिफेंस कॉरिडोर के पास बना बरईगढ़ पुल शनिवार की आधी रात पानी के तेज बहाव में बह गया। सौ वर्ष पुराना यह ब्रिटिश कालीन पुल लंबे समय से भीतरगांव ब्लॉक के सीमावर्ती गांवों के जोडने के साथ बकेवर, मुसाफा व कुड़नी क्षेत्र के लिए मुख्य लाइफलाइन बना हुआ था। गनीमत रही कि हादसा आधी रात के वक्त हुआ। उस समय पुल पर कोई वाहन निकल नहीं रहा था, अन्यथा बड़ी घटना हो सकती थी।

इस हादसे की मुख्य वजह ठीक बगल में चल रहा नए टू-लेन पुल का निर्माण कार्य है। नए पुल की छत की ढलाई का काम पूरा हो चुका है, जिसके सपोर्ट के लिए नीचे लोहे की बेहद घनी पाइप शटरिंग लगाई गई है। इस शटरिंग की वजह से नहर के पानी का प्राकृतिक प्रवाह रुक गया और सारा दबाव सिमटकर एक ही जगह से होकर निकलने लगा। पानी के इसी अत्यधिक और संकुचित दबाव को पुराना पुल झेल नहीं पाया और ढह गया।

दोनों छोरों पर ईंटों की बैरिकेडिंग

पुल बहने की सूचना मिलते ही साढ़ पुलिस रात में ही आनन-फानन मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने नहर के दोनों छोरों पर ईंटों की बैरिकेडिंग करा दी है और वहां से गुजरने वाले वाहनों को रोक दिया गया है। रूट डायवर्जन न होने के कारण इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से ठप है। सुबह होते ही मौके पर ग्रामीणों और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई।

मासूम को आठ बार जमीन पर पटका, विचलित करने वाली सीसीटीवी फुटेज देख कांप गई रूह

फिरोजाबाद, एजेंसी। फिरोजाबाद के शिकोहाबाद की नगर की यादव कॉलोनी में शनिवार दोपहर एक सिरफिरे युवक ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं। अपनी रिश्ते की भाभी से शादी करने की जिद पूरी न होने पर आरोपी ने उसके महज डेढ़ साल के मासूम बेटे को सुनसान सड़क पर बेरहमी से आठ बार पटक-पटककर मौत के घाट उतार दिया। रोंगटे खड़े कर देने वाली यह पूरी वारदात पास ही लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

यूपी के फिरोजाबाद की शिकोहाबाद की यादव कॉलोनी में शनिवार दोपहर रिश्ते की भाभी के शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर एक सिरफिरे ने उनके डेढ़ साल के मासूम को सड़क पर आठ बार पटक-पटककर मार डाला। इसके बाद शव को घर के गेट पर छोड़कर भाग गया। रोंगटे खड़े कर देने वाली यह पूरी वारदात पास ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। बच्चे की नानी की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। वहीं हत्यारोपी विराज उर्फ जितेंद्र पाठक निवासी शेखूपुर, बदायूं को पुलिस ने रात साढ़े आठ बजे भुड़ा भरतरा रोड पर हुई मुठभेड़ में दबोच लिया। यूपी के फिरोजाबाद की शिकोहाबाद की यादव कॉलोनी में शनिवार दोपहर रिश्ते की भाभी के शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर एक सिरफिरे ने उनके डेढ़ साल के मासूम को सड़क पर आठ बार पटक-पटककर मार डाला। इसके बाद शव को घर के गेट पर छोड़कर भाग गया।रोंगटे खड़े कर देने वाली यह पूरी वारदात पास ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। बच्चे की नानी की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। वहीं हत्यारोपी विराज उर्फ जितेंद्र पाठक निवासी शेखूपुर, बदायूं को पुलिस ने रात साढ़े आठ बजे भुड़ा भरतरा रोड पर हुई मुठभेड़ में दबोच लिया। दोपहर ढाई बजे के करीब का वक्त था। यादव कॉलोनी की सड़कें सुनसान थीं, तब हत्यारा विराज मासूम आरव को गोद में लेकर बाहर निकला था। रती ने बताया कि जब काफी देर तक बच्चा वापस नहीं आया, तो वे गेट पर गई जहां मासूम का शव पड़ा था।

शोर मचने पर मोहल्ले के लोग इकट्ठा हुए और तुरंत पास ही लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में जो दिखा, उसे देखकर हर किसी की रूह कांप गई। सिरफिरा युवक मासूम को हवा में उछालकर सड़क पर पत्थरों की तरह पटक रहा था। उसने एक के बाद एक आठ बार बच्चे को पटका। यह खौफनाक मंजर देखकर मौके पर मौजूद महिलाओं और परिजनों की चीख निकल गई। हर कोई आरोपी पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा था। शनिवार को रती अपनी मां पिंकी देवी के साथ पति पर केस दर्ज कराने के सिलसिले में कानूनी राय लेने शिकोहाबाद के एक अधिवक्ता के पास गई थीं। अधिवक्ता से मिलने का समय शाम का होने के कारण वह यादव कॉलोनी स्थित अपनी मां की सहेली पुष्पलता के घर रुक गईं।

एकेटीयू में टैबलेट से लगेगी हाजिरी, नहीं हो सकेगी गड़बड़ी

परीक्षा में सुधार को एआई का होगा प्रयोग

लखनऊ, एजेंसी। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) अपनी परीक्षा व्यवस्था को और दुरुस्त करने के लिए आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का प्रयोग करेगा। इसके तहत अब परीक्षा केंद्र पर टैबलेट से छात्र-छात्राओं की हाजिरी लगेगी। इससे गड़बड़ियों पर रोक तो लगेगी ही वहीं अगर कोई भी विद्यार्थी प्रवेश पत्र नहीं लेकर आया है तो भी वह परीक्षा से रोका नहीं जाएगा।

पिछले दिनों नोएडा के एक केंद्र पर क्रिडेंशियल के दुरुपयोग का मामला सामने आने के बाद एकेटीयू ने परीक्षा में एआई के प्रयोग का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय ने अपने यहां सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज (कैस) में एमटेक द्वितीय सेमेस्टर में इसका प्रयोग शुरू किया है।

मैचिंग एआई टूल के माध्यम से की जा रही

कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने बताया कि इसके तहत परीक्षा कक्ष में प्रत्येक विद्यार्थी की हाजिरी टैबलेट के माध्यम से कराई जा रही है। इस प्रक्रिया के तहत टैबलेट में विद्यार्थी के प्रवेश पत्र का पूरा डाटा पहले से अपलोड होता है, ऐसे में जैसे ही हाजिरी लगाई जाती है, डाटा मैच हो जाता है। यह मैचिंग एआई टूल के माध्यम से की जा रही है। इसमें किसी तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं है।उन्होंने कहा कि अब इस प्रणाली के माध्यम से किसी छात्र की जगह कोई और परीक्षा नहीं दे सकेगा। अगर छात्र की फोटो नहीं मिलेगी तो तुरंत इसकी जानकारी संबंधित परीक्षक को मिल जाएगी। वहीं छात्रों की उपस्थिति का डाटा तुरंत ऑनलाइन विश्वविद्यालय प्रशासन को मिल जाएगा। वह तुरंत इसकी मॉनीटरिंग कर सकेगा। इतना ही नहीं अगर छात्र किसी वजह से अपना प्रवेश पत्र भूल भी गया है तो उसे परीक्षा से रोका नहीं जाएगा।

शुरुआत एमटेक परीक्षा से की जा रही

इस डाटा से मिलान करके उसे परीक्षा में शामिल किया जाएगा। अभी तक परीक्षा में बायोमीट्रिक हाजिरी की व्यवस्था है। प्रो. पांडेय ने कहा कि आगे छात्र कभी भी चेक कर सकेगा कि उसकी हाजिरी लगी है या नहीं। उन्होंने बताया कि इसकी शुरुआत एमटेक परीक्षा से की जा रही है। इसका ट्रायल सफल होने पर हम इसे बीटेक की परीक्षा व अगले सत्र से पूरी परीक्षा में इसका प्रयोग करेंगे।

कॉपियों में पेज संख्या कम करने की प्रक्रिया शुरू

विश्वविद्यालय के एसोसिएट डीन इनोवेशन डॉ. अनुज कुमार शर्मा ने बताया कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर परीक्षा में कॉपियों के पेज कम करने की पायलट शुरुआत एमटेक परीक्षा से कर रहे हैं। इसके तहत कॉपियों के पेज 32 से 24 किए गए हैं। आठ पेज की सप्लीमेंट्री कॉपी दे रहे हैं। आगे इसे और कम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगे चलकर हम टैबलेट में छात्रों की परीक्षा लेंगे। इसका ट्रायल भी जल्द शुरू किया जाएगा।

दिल्ली हादसा: घटनास्थल का जायजा लेने पहुंचीं सीएम रेखा गुप्ता, 2 की मौत; एम्स में भर्ती 10 में से 3 की हालत गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में साकेत मेट्रो स्टेशन के पास सैदुलअजाइब में शनिवार शाम को एक पांच मंजिला इमारत ढहने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी रविवार सुबह घटनास्थल का जायजा लेने पहुंची हैं।

सीएम रेखा गुप्ता ने इस हादसे को लेकर अधिकारियों से पूरे मामले की जानकारी ली है। वहीं, घटनास्थल से जाते समय सीएम रेखा गुप्ता ने मीडिया कर्मियों से भी बात की। स्थानीय लोगों के मुताबिक, घटना के समय इमारत व आसपास कुछ विदेशी छात्रों सहित 70-80 लोग मौजूद थे। हालांकि, प्रशासन का दावा है कि अब एक-दो लोग ही फंसे हो सकते हैं। साकेत मेट्रो स्टेशन के निकट स्थित सैदुलअजाइब इलाके में करीब 400 वर्ग गज में 15 साल पहले दो मंजिला इमारत बनाई गई थी। धीरे-धीरे निर्माण होता गया और इन दिनों पांचवीं मंजिल के ऊपर एक और तल का निर्माण कार्य चल रहा था। यह इमारत कर्मवीर जेलर नामक शख्स की बताई जा रही है।

इस भवन में अराइज कोचिंग, पीजी, कैफे और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। अवकाश होने की वजह से बड़ी संख्या में लोग बाहर चले गए थे। जो लोग बचे थे, उनमें भी ज्यादातर लोग आसपास मौजूद कैफे, रेस्तरां या कहीं और गए हुए थे।

लाइब्रेरी में मौजूद लोग चपेट में आए

स्थानीय निवासियों के मुताबिक, पांच मंजिला इमारत के बगल में पोर्टा केबिन स्ट्रक्चर में एक महिला की कैंटीन है। घटना के समय ज्यादातर लोग कैंटीन में खाना खा रहे थे, जबकि कुछ लोग इमारत के भूतल स्थित लाइब्रेरी में थे। ऊपरी मंजिलों पर कोई नहीं था।

इसी बीच शाम करीब साढ़े सात बजे इमारत ढह गई और मलबा गिरने से खाना खा रहे लोग व लाइब्रेरी में मौजूद लोग चपेट में आ गए। ये सभी लोग कैंटीन वाले क्षेत्र से निकाले गए हैं।

सभी घायलों को एम्स में भर्ती कराया गया है। एम्स की ओर से कहा गया कि यहां 10 मरीज आए हैं, जिनमें तीन की हालत गंभीर है। उनका इलाज किया जा रहा है। छह मरीज घायल हैं, लेकिन स्थिर हैं और निगरानी में हैं। बताया कि दो को मृत लाया गया।

सुल्तानपुरी में जल संकट गहराया, निवासियों ने जल बोर्ड के खिलाफ किया जोरदार प्रदर्शन

नईदिल्ली, एजेंसी। सुल्तानपुरी इलाके में लोगों ने पानी की किल्लत को लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया। क्षेत्र में लगभग दो सप्ताह से पानी की समस्या से परेशान लोगों ने शनिवार को जलबोर्ड के खिलाफ अपना आक्रोश जाहिर किया। जलबोर्ड कार्यालय के प्रवेश द्वार के बाहर के लोग खाली बर्तन लेकर बैठ गए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। सूचना मिलने के बाद पुलिस पहुंची और लोगों को गेट से हटाया। दोपहर लगभग दो बजे सुल्तानपुरी स्थित जलबोर्ड कार्यालय (पानी की टंकी) के बाहर एकत्र हुए और पानी की मांग को लेकर प्रदर्शन करने लगे। स्थानीय निगम पार्षद दौलत पंवार व स्थानीय लोग प्रवेश द्वार पर खाली बर्तनों के साथ बैठकर नारेबाजी करते रहे।

लोगों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर अपना आक्रोश व्यक्ति किया। इस बीच लोगों ने कार्यालय के अंदर जाकर अधिकारियों से मिलने का प्रयास किया। परंतु कार्यकाल में अधिकारी नदारद दिखाई दिए। लगभग एक घंटे बाद सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शन कर रहे लोगों को प्रवेश द्वार से हटाया। तब जाकर लोग अपने- अपने घरों की ओर वापस लौटे। निगम पार्षद दौलत पंवार ने बताया कि पानी

की समस्या से लोग परेशान है। जब भी मैं अधिकारियों से बात करने के लिए जाता हूं। तो अधिकारी कार्यकाल पर नहीं होते। इस दौरान सोनू चांवरिया, मनोज शर्मा, अनिल प्रधान, मोनू, लक्ष्मी, आशा व संगीता सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। सुल्तानपुरी में यह है जलसंकट से प्रभावित जगह डी-ब्लॉक - ई-4 व 3 ब्लाक - एच-2 व 3 ब्लाक - जी-ब्लाक - 80 गज - इंदिरा झील - एचजीआई लेबर कॉलोनी - एफ-7 ब्लाक - डब्ल्यू-48 की झुग्गियां क्षेत्र में पानी की इतनी समस्या है कि पीने का पानी तक नहीं मिल रहा। गर्मी में जीना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में पानी खरीदकर लाओ या फिर दूसरे ब्लाक से पानी के बर्तन भरकर लाओ। - राजू चंडालिया, स्थानीय निवासी सुल्तानपुरी में पानी की समस्या काफी ज्यादा बढ़ गई है। अधिकतर जगहों पर पानी आता नहीं है या फिर आता है।

दिल्ली में आग की घटनाओं के बाद पीडब्ल्यूडी का बड़ा फैसला: सभी इमारतों का होगा अग्नि सुरक्षा ऑडिट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में अब जब आग की घटनाएं बढ़ रही हैं, पिछले दो माह के अंदर 20 से अधिक लोगों की आंख से जलकर मृत्यु हो चुकी है। तब लोक निर्माण विभाग नीद से जागा है।, विभाग ने अपने अंतर्गत रखरखाव वाली सभी इमारतों का अग्नि सुरक्षा आडिट कराने का फैसला लिया है। दरअसल लोक निर्माण विभाग के अधिकारी अपने अंतर्गत आने वाले भवनों में अग्निसुरक्षा की जांच को लेकर लापरवाही बरतते थे। अब विभाग के भवन का रखरखाव करने वाले अधिकारी हर साल अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र लेंगे। लोक निर्माण विभाग के प्रधान मुख्य अभियंता जेजेआर मीणा ने शुक्रवार को इसे लेकर आदेश जारी किया है। आदेश में पीडब्यूडी के संबंधित पूर्व, उत्तर, दक्षिण क्षेत्र के सभी संबंधित अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के तहत आने वाले प्रत्येक भवन का अग्नि सुरक्षा आडिट कराएं और प्रत्येक वर्ष 25 जून या उससे पहले एक प्रमाण पत्र जारी करें। यदि कोई कमी पाई जाती है, तो उसे रखरखाव कार्यों के तहत ठीक किया जाए और एनबीसी भवन सुरक्षा मानदंडों के अनुसार सभी भवन प्रविधानों का पालन किया जाए। इस प्रमाण पत्र को एक अलग फाइल में रखा जाना चाहिए जिसकी समय-समय पर उच्च अधिकारियों द्वारा समीक्षा की जाएगी। बता दें कि पीडब्ल्यूडी दिल्ली सरकार की सार्वजनिक और प्रशासनिक संपत्तियों के निर्माण व रखरखाव के लिए नोडल एजेंसी है। दिल्ली लोक निर्माण विभाग द्वारा 150 से अधिक प्रमुख सार्वजनिक इमारतों और लगभग 6,500 सरकारी आवास इकाइयों का रखरखाव किया जाता है। दायरे में आने वाली प्रमुख इमारतों में 42 से अधिक प्रमुख अस्पताल शामिल इनके रखरखाव के दायरे में आने वाली प्रमुख इमारतों में 42 से अधिक प्रमुख अस्पताल,जिला अदालतें, पुलिस स्टेशन और तकनीकी संस्थान शामिल हैं। इसी तरह जेल, जिला अदालतें, मंत्रियों, अधिकारियों और न्यायाधीशों के आधिकारिक आवास के साथ साथ दिल्ली सचिवालय, विधानसभा सहित अन्य प्रमुख इमारतें भी शामिल हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा रखरखाव की जा रहीं इमारतों और भवनों में कहने के लिए अग्नि सुरक्षा यंत्र लगाए गए हैं, मगर कई बार अधिकारी ऐसे मामलों में भी लापरवाही करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में अपना घर का सपना करें पूरा, आज से बुकिंग शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विकास प्राधिकरण ने सरकारी कर्मचारियों के लिए कर्मयोगी आवास योजना शुरू की है। भारी मांग को देखते हुए ने 25% छूट देते हुए और भी नए फ्लैट्स जोड़ दिए हैं। यह योजना नरेला के पॉकेट-13, सेक्टर में बनाई गई है। बुकिंग की प्रक्रिया 1 जून 2026 (सोमवार) को दोपहर 12 बजे से शुरू होगी। सभी फ्लैट नवनिर्मित हैं और पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवंटन किया जाएगा। इस योजना में 424 फ्लैट्स की शुरुआती कीमत 33.63 लाख रुपये, 776 फ्लैट्स की कीमत 75.55 लाख रुपये और 352 फ्लैट्स की शुरुआती कीमत 1.06.79 करोड़ रुपये रखी गई है। यह योजना केंद्र सरकार, राज्य सरकार, पीएसयू, विश्वविद्यालयों और स्वायत्त संस्थानों के कर्मचारियों के लिए है। पूरी बुकिंग प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। फ्लैट फ्रीहोल्ड हैं और अच्छी लोकेशन, पार्किंग, क्लब हाउस, बिजली-पानी, स्कूल और मेट्रो कनेक्टिविटी जैसी सुविधाओं के साथ उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट पर जा सकते हैं या हेल्पलाइन नंबर 1800110332 पर संपर्क करें।

दिल्ली पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़, हिमांशु भाऊ गैंग से जुड़ा सक्रिय बदमाश पकड़ा गया

नईदिल्ली, एजेंसी। बक्करवाला इलाके में बाहरी दिल्ली पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम और एक वांटेड बदमाश के बीच देर रात मुठभेड़ हुई। दोनों तरफ से दो-दो राउंड गोलियां चलीं। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद नामचीन ऑटो लिफ्टर मनोज बक्करवाला के बेटे आशीष उर्फ आशीष बक्करवाला को पकड़ लिया। आशीष पर आठ से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह चार मामलों में वांटेड चल रहा था। पुलिस के अनुसार, वह हत्या के मामले में जेल से छूटने के बाद हिमांशु भाऊ गैंग के लिए काम कर रहा था। 14 मई को मुंडका, रनहोला और कंझावला में हुई फायरिंग की घटनाओं में भी उसकी तलाश थी। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से हथियार बरामद कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

भोजन नली में 15 दिन से फंसा था कांच का टुकड़ा, डॉक्टरों ने पांच मिनट में निकाला

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी दिल्ली के रहने वाले 40 साल के एक व्यक्ति की आहार नली में फंसे कांच के टुकड़े को चिकित्सकों ने मात्र पांच मिनट में निकाल दिया। पखवाड़ेभर से लगातार गले में असहजता, निगलने में कठिनाई और बढ़ती तकलीफ के बावजूद व्यक्ति को अंदाजा नहीं था कि भोजन करते समय अनजाने में खाने के साथ 2×1 सेंटीमीटर आकार का एक नुकीला कांच का टुकड़ा उसकी भोजन नली (इसोफेगस) में फंसा है। माडल टाउन के यथार्थ सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं हेपेटोलॉजी के विभागाध्यक्ष व अतिरिक्त निदेशक डॉ. अपूर्व पांडे व जनरल सर्जरी विभाग के निदेशक डा. संजीव चोपड़ा की टीम ने मरीज की स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल उन्नत एंडोस्कोपिक तकनीकों की मदद से कांच के टुकड़े को बिना किसी अतिरिक्त चोट या जटिलता के सुरक्षित रूप से बाहर निकाल लिया गया। 12 से 15 दिनों से भोजन नली में फंसा हुआ था। डॉ. अपूर्व पांडे व डॉ. संजीय चोपड़ा ने बताया कि कई बार मरीज शुरुआती लक्षणों को सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन भोजन नली में फंसी कोई भी नुकीली वस्तु समय के साथ गंभीर खतरा बन सकती है।

उत्तर पश्चिम दिल्ली में 10 घोषित अपराधी गिरफ्तार, एक दशक से फरार था मुख्य आरोपी

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पश्चिम जिले की विभिन्न पुलिस टीमों ने 10 घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक अपराधी दस वर्ष से अधिक समय से फरार चल रहा था। शुक्रवार को उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि पांच थानों सहित स्पेशल्ट स्टाफ ने कुल 10 घोषित अपराधियों को अलग-अलग क्षेत्रों से पकड़ा है। जो कोर्ट की कार्रवाई से बचने के लिए फरार चल रहे थे। सी. राजू उर्फ राजा वर्ष 2011 से फरार था जबकि 60 आपराधिक मामलों शामिल चांद मोहम्मद उर्फ चंदू को भी कोर्ट ने भगौड़ा घोषित किया था।

दिल्ली चिड़ियाघर में जानवरों के लिए विशेष समर प्लान, गर्मी से राहत के पुख्ता इंतजाम

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में बढ़ती गर्मी और लू के बीच चिड़ियाघर ने जानवरों को राहत देने के लिए विशेष समर प्लान लागू किया है। इसके तहत बाघ, शेर और भालू जैसे जानवरों के लिए दो शिफ्ट व्यवस्था शुरू की गई है, जबकि विभिन्न बाड़ों में स्प्रिंकलर, वाटर कूलर, जलकुंड और छायादार आश्रयों की संख्या बढ़ाई गई है। चिड़ियाघर निदेशक डॉ. संजीत कुमार ने बताया कि बाघ, शेर और भालुओं को सुबह सात बजे से दोपहर एक बजे तक व दोपहर एक बजे के बाद अलग-अलग शिफ्ट में बाड़ों का उपयोग कराया जा रहा है। इससे जानवरों को लंबे समय तक तेज धूप में रहने से बचाने के साथ-साथ ठंडे स्थानों और जलकुंडों तक पर्याप्त पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि सभी प्रमुख बाड़ों में स्प्रिंकलर और वाटर कूलर चालू हैं। बाघ, शेर और तेंदुओं के बाड़ों में पानी के छिड़काव की व्यवस्था की गई है, जबकि जलकुंडों पर शेड लगाए गए हैं ताकि पानी अधिक गर्म न हो। कई बाड़ों में हरी मैट बिछाई गई हैं और बांस, फूस व घास से बने आश्रय तैयार किए गए हैं। हाथियों, नीलगाय और हिरणों जैसे शाकाहारी जानवरों के बाड़ों में भी स्प्रिंकलर लगाए गए हैं। हाथियों और गैंडों को दिन में कई बार पानी से नहलाया जा रहा है। सांभर और बारहसिंगा के जलकुंडों की नियमित सफाई और उनमें ताजा पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। सरीसृपों और पक्षियों के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। मगरमच्छ और कछुओं के बाड़ों पर छाया की व्यवस्था की गई है, जबकि सांपों के बाड़ों में तापमान नियंत्रित रखने के लिए गीले टाट और थर्मामीटर का उपयोग किया जा रहा है। पक्षी बाड़ों में दिनभर पानी का छिड़काव किया जा रहा है। जानवरों को अतिरिक्त राहत देने के लिए प्राइमेट्स को रोजाना फलों से बने आइस बाल दिए जा रहे हैं, जबकि भालुओं को बड़े बर्फ के ब्लाक और फ्रूट आइस क्यूब्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं। चिड़ियाघर प्रशासन का कहना है कि भीषण गर्मी के दौरान पशु चिकित्सकों और देखभाल कर्मियों की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं।

ट्रंप ने साझा की न्यूयॉर्क की गवर्नर के साथ एआई-जनरेटेड तस्वीर, सोशल मीडिया पर छिड़ गई बहस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एआई से तैयार एक नई तस्वीर साझा कर इंटरनेट पर बहस छेड़ दी है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार एक ग्राफिक साझा किया है। इस ग्राफिक में ट्रंप न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल के साथ बास्केटबॉल के मैदान में नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने यह डिजिटल तस्वीर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट की है। इस तस्वीर में दोनों नेताओं को खेल के मैदान में एक-दूसरे के सामने दिखाया गया है। यह कोई असली मुकाबला नहीं है। यह राजनीतिक विरोध को दिखाने का एक प्रतीकात्मक तरीका है। एआई से बनी यह तस्वीर सोशल मीडिया पर बहुत तेजी से वायरल हो है। इंटरनेट पर लोग इस तस्वीर के लहजे और इसके पीछे छिपे संदेश को लेकर सवाल उठा रहे हैं। कई जानकारों का मानना है कि किसी देश के शीर्ष नेता का ऐसी सामग्री साझा करना बहुत ही असामान्य बात है। इस तस्वीर के साथ ट्रंप ने एक संदेश भी लिखा है। उन्होंने कैथी होचुल को न्यूयॉर्क की एक असफल गवर्नर बताया। ट्रंप ने लोगों को सलाह दी कि अगर वे समझदार हैं, तो ब्रूस ब्लेकमैन को वोट दें। उन्होंने दावा किया कि ब्रूस ही न्यूयॉर्क को फिर से महान बनाएंगे। ट्रंप पिछले कुछ समय से लगातार ऐसी बनावटी तस्वीरें इंटरनेट पर डाल रहे हैं। पिछले एक हफ्ते में ट्रंप ने एक और डिजिटल तस्वीर साझा की थी। उस तस्वीर में वह एक गैंडे के पास खड़े थे और उनके हाथ में एक बंदूक थी। इससे पहले उन्होंने एक और बदली हुई तस्वीर पोस्ट की थी। उसमें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ओवल ऑफिस की मेज पर सिर रखकर सोते हुए दिख रहे थे। उस तस्वीर में बराक ओबामा और हिलेरी क्लिंटन पीछे खड़े होकर उन्हें देख रहे थे। ट्रंप की ये पोस्ट उनके अकाउंट से साझा किए जा रहे बनावटी मीडिया का हिस्सा हैं। कुछ महीने पहले ट्रंप की काफी आलोचना हुई थी। तब उन्होंने एआई से बनी अपनी ऐसी तस्वीरें साझा की थीं, जिनमें उन्होंने ईसाई धर्मगुरु 'पोप' जैसे कपड़े पहने थे। उस समय वेटिकन और कैथोलिक नेतृत्व को लेकर काफी बातें हो रही थीं। अप्रैल में भी ट्रंप ने कंप्यूटर से बनी एक तस्वीर साझा की थी। उस तस्वीर में वह एक बीमार व्यक्ति की देखभाल करते हुए किसी दिव्य शक्ति की तरह दिख रहे थे। बाद में ट्रंप ने उस पोस्ट को हटा दिया था। उन्होंने कहा था कि वह तस्वीर उन्हें एक डॉक्टर के रूप में दिखाने के लिए थी।

जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र पर यूक्रेन का ड्रोन हमला: आईएईए ने दी चेतावनी

वियना, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हुए ड्रोन हमले को लेकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने चेतावनी दी कि परमाणु केंद्रों पर हमले करना आग से खेलने जैसा खतरनाक काम है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि संयंत्र प्रशासन ने उन्हें ड्रोन हमले की सूचना दी है। यह ड्रोन संयंत्र की एक टर्बाइन बिल्डिंग से टकराया। इस टक्कर की वजह से इमारत की एक दीवार में छेद हो गया है। ग्रॉसी ने अपनी बात दोहराते हुए कहा कि किसी भी परमाणु केंद्र पर या वहां से किसी भी तरह का हमला नहीं होना चाहिए। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की ताकि परमाणु सुरक्षा और सुरक्षा को कोई खतरा न हो। संयंत्र में मौजूद की टीम ने नुकसान का खुद जायजा लेने के लिए प्रभावित इमारत तक जाने की अनुमति मांगी है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी है।

अप्रैल 2024 के बाद यह पहली बार है जब संयंत्र के घेरे के भीतर कोई ड्रोन हमला हुआ है। जापोरिज्जिया संयंत्र यूरोप के सबसे

बड़े परमाणु केंद्रों में से एक है। मार्च 2022 से ही इस पर रूस का नियंत्रण है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से लगातार सैन्य गतिविधियों से होने वाले जोखिमों को लेकर चेतावनी दे रहा है। एजेंसी ने बार-बार परमाणु ढांचे की सुरक्षा की मांग की है। रूस की कंपनी रोसाटॉम ने शनिवार को बताया कि एक यूक्रेनी ड्रोन ने इस परमाणु संयंत्र पर हमला किया। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि मुख्य उपकरणों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। यह ड्रोन संयंत्र की यूनिट 6 के टर्बाइन आइलैंड से टकराया और वहां विस्फोट हो गया। इस हमले की जानकारी अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को दे दी गई है। हमले बेहद गैर-जिम्मेदाराना हैं। इनसे परमाणु सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा होता है। बुनियादी ढांचे पर किसी भी हमले के परिणाम खतरनाक हो सकते हैं और यह पूरे क्षेत्र की सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। इस घटना में किसी की जान नहीं गई है और न ही कोई बड़ा नुकसान हुआ है। रोसाटॉम के सीईओ एलेक्सी लिखचेव ने कहा कि यह किसी परमाणु संयंत्र के मुख्य उपकरण पर पहला सीधा हमला है।

वैज्ञानिकों का नया कमाल: दर्दनाक एंडोस्कोपी की होगी छुट्टी, पेट के लिए तैयार 'स्मार्ट जासूस' हर 20 सेकंड में देगा रिपोर्ट

न्यूयार्क, एजेंसी। कल्पना कीजिए कि डॉक्टर आपको पेट की जांच के लिए एंडोस्कोपी या दर्दनाक टेस्ट की जगह सिर्फ एक छोटी सी कैप्सूल निगलने को कहें। सुनने में यह भविष्य की तकनीक लगती है, लेकिन अब यह हकीकत बनने की ओर बढ़ रही है। बेल्जियम और नीदरलैंड्स के वैज्ञानिकों ने मिलकर जीआईएसएमओ नाम की एक अत्याधुनिक तकनीक विकसित की है। यह माउथ फ्रेशनर जैसी दिखने वाली छोटी कैप्सूल है, जिसमें माइक्रोचिप, केमिकल सेंसर और वायरलेस ट्रांसमीटर लगे होते हैं।

हर 20 सेकंड में भेजेगा पेट का अपडेट-यह स्मार्ट कैप्सूल पेट और आंतों के भीतर यात्रा करते हुए वहां के रासायनिक बदलावों की निगरानी करता है। विशेष सेंसर हर 20 सेकंड में एक नई रीडिंग लेकर मरीज के शरीर के बाहर लगे रिसीवर तक जानकारी पहुंचाते हैं। इससे डॉक्टरों को एसिडिटी, संक्रमण, अल्सर, सूजन और यहां तक कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के शुरुआती संकेत भी समय रहते मिल सकते हैं।

क्यों खास है यह तकनीक? अब तक पेट की बीमारियों की जांच के लिए एंडोस्कोपी और कोलोनोस्कोपी जैसे परीक्षण किए जाते हैं, जो कई मरीजों के लिए असुविधाजनक, दर्दनाक और महंगे साबित होते हैं। करीब दो दशक पहले विकसित पिलकम तकनीक पेट की तस्वीरें तो भेज सकती थी, लेकिन पेट के भीतर होने वाली रासायनिक गतिविधियों और गैसों का विश्लेषण नहीं कर पाती थी। जीआईएसएमओ इस कमी को दूर करता है और केवल तस्वीरें ही नहीं, बल्कि जैव-रासायनिक बदलावों की भी लाइव जानकारी देता है।

खाने योग्य बैटरी भी तैयार-+ इस तकनीक की सबसे बड़ी चुनौती ऊर्जा आपूर्ति थी। इसके समाधान के लिए इटली के वैज्ञानिकों ने दुनिया की पहली रिचार्जेबल खाने योग्य बैटरी विकसित की है।इस बैटरी को विटामिन ब्र2, केपर्स फल से मिलने वाले क्वेरसेटिन, एक्टिवेटेड चारकोल, समुद्री घास और मधुमक्खी के मोम जैसी प्राकृतिक सामग्रियों से बनाया गया है। वैज्ञानिकों ने टूथपेस्ट में इस्तेमाल होने वाले नीले पिगमेंट की मदद से एक खाने योग्य ट्रांजिस्टर भी तैयार किया है।

कैंसर की शुरुआती पहचान में मदद- विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में यह तकनीक पेट और आंतों से जुड़ी बीमारियों की पहचान का तरीका पूरी तरह बदल सकती है। लगातार मिलने वाले रियल-टाइम डेटा से डॉक्टर बीमारी के शुरुआती संकेत पकड़ सकेंगे, जिससे उपचार जल्दी शुरू किया जा सकेगा और मरीजों की जान बचाने की संभावना बढ़ेगी।वैज्ञानिकों के अनुसार, आने वाले वर्षों में ऐसी निगलने योग्य स्मार्ट डिवाइसें अस्पतालों में आम हो सकती हैं। इससे न केवल जांच आसान होगी बल्कि मरीजों को बार-बार दर्दनाक प्रक्रियाओं से भी नहीं गुजरना पड़ेगा।

आसमान में विमान हाईजैक की कोशिश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में देर रात एक यात्री की संदिग्ध हरकत के कारण यूनाइटेड एयरलाइंस की उड़ान में अफरा-तफरी मच गई। शिकागो से मिनियापोलिस जा रही फ्लाइट को बीच रास्ते में विस्कॉन्सिन के मैडिसन एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा, जब एक यात्री ने कथित तौर पर कॉकपिट में घुसने की कोशिश की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूनाइटेड एयरलाइंस की फ्लाइट 2005 में कुल 147 यात्री और 6 क्रू सदस्य सवार थे। उड़ान के दौरान एक यात्री ने कई बार कॉकपिट तक पहुंचने की कोशिश की, जिसके बाद चालक दल और सुरक्षा कर्मियों ने उसे रोकने का प्रयास किया। एयर ट्रैफिक कंट्रोल से हुई बातचीत के अनुसार, विमान में मौजूद क्रू सदस्यों ने बताया कि संदिग्ध यात्री को कॉकपिट तक पहुंचने से रोकने के लिए कई बार प्रयास करने पड़े। आखिरकार उसे काबू में कर सीट पर बैठाया गया और उसके दोनों ओर सुरक्षा अधिकारी तैनात कर दिए गए। विमान को सुरक्षित रूप से मैडिसन स्थित Dane County Regional Airport पर उतारा गया, जहां स्थानीय पुलिस और Federal Bureau of Investigation (FBI) की टीम पहले से मौजूद थी। अधिकारियों ने यात्री को हिरासत में ले लिया और पूछताछ शुरू कर दी। अधिकारियों के अनुसार, घटना में किसी भी यात्री या क्रू सदस्य को चोट नहीं आई। संदिग्ध को विमान से उतारने के बाद उड़ान ने अपनी यात्रा दोबारा शुरू की और शनिवार सुबह सुरक्षित रूप से Minneapolis पहुंच गई।

संपादकीय | लाख सपनों के बीच व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल

एक तरह से यह स्वीकार कर लिया गया है कि सरकार का मौजूदा तंत्र इस परीक्षा का स्वच्छ तरीके से संचालन कर पाने में सक्षम नहीं है और इसीलिए सेना के सहारे नीट-यूजी परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित करने की कोशिश की जाएगी।

किसी भी परीक्षा के दौरान अगर प्रश्नपत्र लीक होता है या अन्य कोई गड़बड़ी होती है, तो इसका मतलब यही है कि उसके संचालन से जुड़ा तंत्र परीक्षा की शुचिता को सुनिश्चित कराने में नाकाम रहा। हाल ही में प्रश्नपत्र लीक होने के बाद नीट-यूजी परीक्षा को जिस तरह रद्द किया गया, उससे साफ है कि पहले हुई ऐसी कई घटनाओं के बावजूद आयोजन में हर हाल में शुचिता तय करने को लेकर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यानी एनटीए ने जरूरी सबक नहीं सीखा। नतीजतन, नीट की परीक्षा के प्रश्नपत्र फिर अवैध रूप से बाहर हुए और ऊंची कीमतों पर बेचे गए। विडंबना यह है कि इस भ्रष्ट लेन-देन और इसके जरिए परीक्षा में कामयाब होने की कोशिश करने वाले कुछ लोगों की करतूतों का खमियाजा करीब बाईस लाख उन विद्यार्थियों को उठाना पड़ा, जिन्होंने ईमानदारी से अपनी मेहनत के बूते परीक्षा दी थी। ऐसे विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की पीड़ा प्रश्नपत्र लीक करने और उसका फायदा उठाने वाले गिरोहों की हरकत के खुलासे से उपजे शोर में दब कर रह गई। विचित्र है कि इस घटना की परतें खुलने के बाद शीर्ष स्तर पर इसकी जिम्मेदारी तय करने तथा संचालन के तंत्र में पाई गई खामी को पूरी तरह दुरुस्त करने या इस मसले पर अधिकतम सख्ती बरतने के बजाय सुरक्षित तरीके से परीक्षा कराने के लिए अब सेना का सहारा लेने की खबर आई है। यानी एक तरह से यह स्वीकार कर लिया गया है कि सरकार का मौजूदा तंत्र इस परीक्षा का

स्वच्छ तरीके से संचालन कर पाने में सक्षम नहीं है और इसीलिए सेना के सहारे नीट-यूजी परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित करने की कोशिश की जाएगी। गौरतलब है कि नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने से जुड़े मामले में पूरी प्रक्रिया की समीक्षा के लिए हुई बैठक में प्रश्नपत्र तैयार करने और उनकी छपाई से लेकर परिवहन, सुरक्षा और परीक्षा केंद्र तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने के सभी पहलुओं पर विचार किया गया। इसके बाद अब 21 जून को दोबारा होने वाली नीट परीक्षा में प्रश्नपत्रों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए वायुसेना की मदद लेने पर सहमति बनी।

अगर यह प्रस्ताव अमल में आता है, तो किसी राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा के आयोजन और संचालन में सेना के औपचारिक रूप से शामिल होने का यह पहला मौका होगा। सवाल है कि इससे पहले नीट या अन्य परीक्षाओं में हुई गड़बड़ियों का उदाहरण सामने होने के बावजूद यह स्थिति आखिर क्यों पैदा हुई कि सरकार को परीक्षा के स्वच्छ संचालन के लिए अपने तंत्र और पुलिस पर भरोसा नहीं रहा। हालांकि खबरों के मुताबिक सेना की भूमिका केवल लॉजिस्टिक समन्वय, आपातकालीन स्थितियां पैदा होने या मौसम में तेज उतार-चढ़ाव के बीच सुरक्षित परिवहन तक सीमित रहने की बात कही गई है और परीक्षा की निगरानी सेना से नहीं कराई जाएगी। मगर यह देखने की बात होगी कि सेना की मदद का दायरा क्या होता है। आमतौर पर किसी प्राकृतिक आपदा से हुई तबाही और अन्य आपात स्थितियों में युद्ध स्तर पर बचाव कार्य आदि के लिए जरूरत पड़ने पर सरकार सेना या सशस्त्र बलों को तैनात करती रही है। यह एक अफसोसनाक स्थिति है कि आज के दौर में परीक्षाओं के संचालन के मामले में पहले के मुकाबले बेहतर संसाधनों, हर स्तर पर निगरानी की तकनीकी सुविधा और व्यापक डिजिटल तंत्र के बावजूद प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं हो रही हैं और इसे रोकने के लिए सरकार के सामने सेना की मदद लेने की नौबत है।

मशीनों के भरोसे जीवन, लेकिन भरोसे की सुरक्षा कौन करेगा?

दिल्ली के हौजखास इलाके में एयर कंडीशनर यानी एसी में विस्फोट से लगी आग की वजह से सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी धनेंद्र कुमार की जान चली गई। भीषण गर्मी में बढ़ता एसी का उपयोग जहां राहत देता है, वहीं तकनीकी खामी और लापरवाही इसे गंभीर खतरे में भी बदल सकती है। इसमें दोराय नहीं कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास ने मानव जीवन की राह को आसान बना दिया है। मगर तकनीक तभी सुविधाजनक होती है, जब उसे कौशल, संवेदनशीलता और सतर्कता के दायरे में रखा जाए। जरा-सी लापरवाही पर यह सुविधा कब जोखिम में बदल जाए, इसका आभास भी नहीं हो पाता है। बीते बुधवार की रात को दिल्ली के हौजखास इलाके में ऐसी ही एक घटना सामने आई, जिसमें एयर कंडीशनर यानी एसी में विस्फोट से लगी आग की वजह से सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी धनेंद्र कुमार की जान चली गई। वह भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के प्रथम अध्यक्ष थे। एसी में विस्फोट किन कारणों से हुआ, यह तो जांच के बाद ही पता चल पाएगा, लेकिन सवाल है कि जिन उपकरणों को घरों में सुविधा के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, उनमें तकनीकी खराबी से पैदा होने वाले खतरे से सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? क्या ऐसी घटनाओं में जवाबदेही तय किए जाने की जरूरत नहीं है? गौरतलब है कि हर साल गर्मी में एयर कंडीशनर की वजह से हादसों का सिलसिला शुरू हो जाता है। पिछले एक माह में देश भर में एसी में विस्फोट या आग लगने से मौत की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। निस्संदेह इस तरह के उपकरणों का इस्तेमाल करते समय लोगों को भी सावधानी बरतनी चाहिए। खासकर एसी के मामले में ज्यादा सतर्कता की जरूरत होती है, क्योंकि इससे और भी कई तरह के जोखिम होते हैं। मसलन, बहुत ठंडे कमरे से अचानक तेज गर्मी में जाने से शरीर का तापमान बदल जाता है, जिससे मस्तिष्काघात का खतरा बढ़ जाता है। एयर कंडीशनर कमरे की नमी को सोख लेता है, जिससे सांस और त्वचा संबंधी विकार पैदा हो सकते हैं। यही नहीं, इस उपकरण से गैस का रिसाव होने पर बंद कमरे में दम घुटने जैसी जानलेवा स्थिति पैदा हो सकती है।

आज का कार्टून

जीवन, श्रम और बुनियादी ढांचे को एक साथ चुनौती दे रही है गर्मी

गर्मी लोगों के जीवन, आजीविका और बुनियादी ढांचे के सभी पहलुओं को प्रभावित कर रही है। अब तक ग्यारह से अधिक राज्य इसे राज्य आपदा घोषित कर चुके हैं। सोलहवें वित्त आयोग ने भी लू को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का सुझाव दिया है। इस समय उत्तर और मध्य भारत का एक बड़ा हिस्सा भीषण लू की चपेट में है। कई जगहों पर तापमान 44-46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। भारत जैसे देश के लिए गर्मी कोई नई बात नहीं है, लेकिन इसके साथ हमारा रिश्ता अब बदल रहा है। ऐसा इसलिए है कि इंसानों ने वैश्विक जलवायु को बदल दिया है।

शालू अग्रवाल

बीते दस साल पूरी दुनिया में अब तक के सबसे गर्म साल रहे हैं। हमने अपने आसपास की जलवायु को भी बदल दिया है। हमने अपने घर और शहर बनाने का तरीका, अपनी जीवनशैली और प्रकृति के साथ अपने रिश्ते को भी बदल दिया है। इसकी वजह से बढ़ती गर्मी के हिसाब से खुद को ढालना अब हमारे लिए और भी मुश्किल हो गया है।

असल में गर्मी कितनी बढ़ी है, यह जानने के लिए 1981-2024 के जलवायु आंकड़ों का अध्ययन किया गया, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंच 'क्रेविस' पर उपलब्ध है। इसमें कुछ चौंकाने वाले नतीजे सामने आए। पहला, प्रत्येक चार में से तीन भारतीय ऐसे राज्यों में रहते हैं, जहां हर साल भीषण गर्मी का खतरा बना रहता है। दूसरा, बहुत अधिक गर्म दिनों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन बहुत अधिक गर्म रातों की संख्या इससे भी अधिक तेजी से बढ़ रही है। यह खासतौर पर घनी आबादी वाले जिलों और शहरी क्षेत्रों में देखा जा रहा है।

वर्ष 2010 में दिल्ली में जहां हर साल सोलह बहुत गर्म रातें होती थीं, वहीं उच्च उत्सर्जन की स्थिति में वर्ष 2050 तक इनकी संख्या बढ़कर प्रतिवर्ष इक्यावन हो सकती है। इसका इंसान के स्वास्थ्य पर बहुत गंभीर प्रभाव पड़ता है। शरीर और शहर, दोनों को रात के वक्त दिन की गर्मी से राहत नहीं मिल पाती है। इससे वातानुकूलन या ठंडक देने वाली सुविधाओं के बगैर कम हवादार इमारतों में रहने या इनमें काम करने वाले लोगों पर सबसे ज्यादा असर डालता है। तीसरा, गर्मी के मौसम में उमस (आर्द्रता) बढ़ रही है। ऐसा उत्तर भारत और सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों में विशेष रूप से देखा जा रहा है।

ग्यारह से अधिक राज्य इसे राज्य आपदा घोषित कर चुके हैं

गर्मी लोगों के जीवन, आजीविका और बुनियादी ढांचे के सभी पहलुओं को प्रभावित कर रही है। अब तक ग्यारह से अधिक राज्य इसे राज्य आपदा घोषित कर चुके हैं। सोलहवें वित्त आयोग ने भी लू को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का सुझाव दिया है। इस 'मूक आपदा' का प्रभावी तरीके से सामना करने में चार कदम उपयोगी साबित हो सकते हैं। सबसे पहले, शहरी प्रशासकों को गर्मी का सामना करने के लिए स्थानीय स्तर पर योजनाएं बनानी होंगी। गर्मी का असर सभी जगहों पर एक जैसा नहीं होता है। यह स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों और सामाजिक-आर्थिक और बुनियादी ढांचे की स्थितियों के अनुसार अलग-अलग होता है। इसलिए स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखकर योजना बनाना बहुत जरूरी है। इसका उदाहरण महाराष्ट्र का ठाणे नगर निगम है, जहां पिछले दो वर्षों से 'हीट एक्शन प्लान' लागू है।

यह योजना बताती है कि गर्मी से बचाव के लिए कब, कहां और किसे कदम उठाना है। इसके तहत ऐतिहासिक जलवायु आंकड़ों का अध्ययन करके गर्मी के जोखिम का पता लगाया गया और फिर उसके आधार पर अलग-अलग वार्डों को चिह्नित किया गया। इसके अलावा, महसूस होने वाली गर्मी और रात्रिकालीन तापमान के आधार पर प्रत्येक वार्ड में स्थानीय स्तर पर प्रारंभिक चेतावनी जारी करने के लिए तापमान की सीमा भी तय की गई। ठाणे शहर में इस योजना को लागू करने के लिए विभिन्न विभागों का एक संयुक्त कार्यबल बनाया गया है।

इसके पास अलग से बजट भी है। लू चलने पर यह कार्यबल सुनिश्चित करता है कि ठाणे शहर में निशुल्क प्याऊ लगाए जाएं, अधिक भीड़-भाड़ वाले चौराहों, जहां पर लोगों को यातायात संकेतकों की वजह से देर तक रुकना पड़ता है, वहां 'हरित छांव' की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा, प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों के जरिए वार्ड स्तर पर गर्मी से बचाव के उपायों पर जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जा सकता है। ऐसी कार्ययोजना को भीषण गर्मी की चुनौती से जूझ रहे सभी शहरों में लागू करने की जरूरत है।

दूसरा, सभी कारोबारों को अपने व्यवसाय से जुड़ी योजनाओं में गर्मी से बचाव को शामिल करना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, 2030 तक गर्मी और उमस के कारण लोग ठीक से काम नहीं कर पाएंगे, यानी कामकाजी घंटों का नुकसान होगा। इससे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.5 फीसद के बराबर नुकसान हो सकता है। वर्ष 2025 में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सभी राज्यों और नियोक्ताओं को परामर्श जारी किया था। इसमें श्रमिकों, खासतौर पर खुले स्थान पर और कठिन परिश्रम करने वालों को गर्मी से बचाने वाले उपायों को लागू करने के लिए कहा गया था।

गर्मी से न केवल श्रमिकों की सेहत, बल्कि मशीनों की कार्यक्षमता, आपूर्ति श्रृंखला और पानी तथा ऊर्जा का बजट भी प्रभावित होता है। कई भारतीय कंपनियों ने इस दिशा में प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसमें गर्मी के खतरे से ज्यादा प्रभावित लोगों की पहचान की गई है। आराम के लिए छायादार जगह बनाने, लगातार पानी पीते रहने का नियम और काम करने की पालियों में बदलाव लागू किए गए हैं। ऐसे प्रयासों को तत्काल बड़े पैमाने पर लागू करने की जरूरत है। तीसरा, बिजली कंपनियों को अपने बिजली संयंत्र और नेटवर्क को गर्मी से सुरक्षित बनाना होगा। भीषण गर्मी से बचाव में भरोसेमंद और किफायती बिजली आपूर्ति की अहम भूमिका है। हर साल लू चलने के साथ लोग बड़ी संख्या में एसी और कूलर खरीदते हैं। गर्मी, उमस और बिजली में नई मांग आने के कारण विद्युत वितरण नेटवर्क और ट्रांसफार्मर पर अचानक बोझ बढ़ जाता है। वर्ष 2025 में अत्यधिक बोझ और नमी आने के कारण लगभग दस फीसद, यानी तेरह लाख ट्रांसफार्मर खराब हो गए थे। इसके समाधान के लिए ये कदम उठाए जा सकते हैं- पहला, बिजली कंपनियों को अत्यधिक गर्मी वाले क्षेत्रों में अपने नेटवर्क को पहले से मजबूत करना चाहिए। दूसरा, बिजली कंपनियों को बिजली की मांग का आकलन करते समय रात के समय के अधिक तापमान और एसी के अधिक इस्तेमाल को भी ध्यान में रखना चाहिए। तीसरा, बिजली की बहुत अधिक मांग एक साथ न आए, इसके लिए अलग-अलग समय के लिए अलग-अलग बिजली दरों की व्यवस्था को लागू करने जैसे सुधार करने चाहिए। चौथा, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने से भी बिजली की अतिरिक्त मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

सरकारों को सार्वजनिक और निजी निवेशों को गर्मी से बचाव के उपायों की दिशा में ले जाना होगा। साथ ही, गरीब और कमजोर वर्गों, फसलों, पशुओं, जंगलों और घरों, स्कूलों व अस्पतालों को लंबी गर्मी से बचाने के उपाय भी खोजने होंगे। प्रत्येक सरकारी योजना में गर्मी से बचाव की रणनीति को शामिल कर इसकी शुरुआत की जा सकती है, लेकिन व्यापक समाधानों को पाने के लिए निजी निवेश को शोध और विकास के साथ-साथ तापरोधी फसलों, निर्माण सामग्री और ऊर्जा कुशल शीतलन तकनीकों के व्यवसायीकरण की दिशा में मोड़ना होगा। हर साल भारत का गर्मी के साथ रिश्ता बदल रहा है, लेकिन गर्मी का सामना करने की क्षमता विकसित करना न तो आसान होगा, न ही सस्ता। ऐसे में अगर राष्ट्रीय स्तर पर जनभागीदारी आए, तो यह इसका सामना करने के लिए अच्छी तरह तैयार होने में मदद कर सकता है। देश में भीषण गर्मी के बीच मॉनसून को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। मौसम विभाग ने अपने नए अनुमान में कहा है कि इस साल भारत में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के दौरान लंबी अवधि की औसत बारिश का करीब 90 फीसदी बारिश हो सकती है। यानी इस बार मॉनसून सामान्य से थोड़ा कमजोर रह सकता है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को जारी अपने दूसरे मॉनसून पूर्वानुमान में बताया कि पूर्वोत्तर भारत में सामान्य बारिश होने की संभावना है, लेकिन देश के बाकी हिस्सों में बारिश सामान्य से कम रह सकती है। इससे पहले 13 अप्रैल को जारी पहले अनुमान में मौसम विभाग ने 92 फीसदी बारिश का अनुमान जताया था, जिसे अब घटाकर 90 फीसदी कर दिया गया है।

नींव कमजोर तो इमारत कैसे मजबूत होगी

भारत में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता, बुनियादी साक्षरता, संख्या ज्ञान और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की चुनौतियों पर केंद्रित विश्लेषण। 2030 के शिक्षा लक्ष्य और जमीनी हकीकत के बीच की दूरी पर विशेष चर्चा। शैक्षिक परिदृश्य में विश्व तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। प्रत्येक देश प्राथमिक शिक्षा को बेहतर बनाने का प्रयास करता है, क्योंकि मजबूत नींव ही बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकती है। विश्व के सभी देश यह सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं कि उनकी शिक्षा व्यवस्था की नींव सुदृढ़ हो।

राजेंद्र जोशी

भारत ने वर्ष 2015 में अपनाए गए सतत विकास एजेंडा-2030 के अंतर्गत सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुनिश्चित करने तथा जीवनपर्यंत शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा देने का लक्ष्य निर्धारित किया था। नई शिक्षा नीति में भी इस लक्ष्य को प्रमुखता दी गई है। इसके लिए संपूर्ण शिक्षा प्रणाली को पुनर्गठित कर अधिगम को प्रभावी बनाने की आवश्यकता होगी। अगर भारत वास्तव में 2030 तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लक्ष्य प्राप्त करना चाहता है, तो उसे सबसे पहले प्राथमिक शिक्षा पर विशेष ध्यान देना होगा। विडंबना यह है कि वर्ष 2026 तक भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पूरी तरह लागू नहीं हो सकी है। नई शिक्षा नीति में दावा किया गया था कि सभी विद्यार्थियों को, चाहे उनका निवास स्थान कहीं भी हो, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही हाशिये पर रह रहे समुदायों, वंचित तथा अल्प-प्रतिनिधित्व वाले समूहों पर विशेष ध्यान देने का संकल्प भी लिया गया था। वास्तव में प्राथमिक शिक्षा उन्हीं बच्चों के लिए सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है, जो किसी कारणवश विद्यालय की चौखट तक नहीं पहुंच पाते। शिक्षा पर सभी का समान अधिकार है, लेकिन सरकारें शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए अधिकतर उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक

शिक्षा पर ही ध्यान केंद्रित करती रही हैं। स्वतंत्रता के बाद प्राथमिक शिक्षा को अपेक्षित महत्त्व नहीं मिल पाया। प्राथमिक शिक्षा के अध्यापकों और विद्यार्थियों की समस्याओं की ओर भी गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया। जबकि किसी भी देश की वास्तविक नींव उसके बच्चे होते हैं। अगर यह नींव कमजोर होगी, तो पूरा देश कमजोर होगा। नींव मजबूत होगी, तो बीच में स्कूली पढ़ाई छोड़ने की दर अपने आप कम होगी और भविष्य अधिक सशक्त बनेगा। एक बेहतर और बौद्धिक रूप से विकसित राष्ट्र के लिए ऐसी शैक्षणिक संस्थाओं का होना आवश्यक है, जहां प्रत्येक विद्यार्थी का स्वागत हो, उसकी देखभाल की जाए, उसे सुरक्षित तथा प्रेरणादायक वातावरण मिले। ऐसी संस्थाओं को सभी आवश्यक बुनियादी ढांचे और उपयुक्त संसाधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

शिक्षा के मूलभूत सिद्धांत केवल उच्च स्तर पर ही सुनिश्चित नहीं होने चाहिए, बल्कि प्राथमिक शिक्षा तथा अभिभावकों को भी बच्चों की क्षमताओं के प्रति संवेदनशील बनाया जाना चाहिए। बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा बच्चों के सीखने की नींव होती है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि बच्चों के मस्तिष्क का लगभग नब्बे फीसद विकास छह वर्ष की आयु से पहले हो जाता है। इसलिए बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा आवश्यक है, जो आज भी करोड़ों बच्चों के लिए दूर की कौड़ी बनी हुई है।

भारत में प्राथमिक शिक्षा और उसकी देखभाल के लिए नई शिक्षा नीति में संकल्प तो लिए गए, लेकिन उनका ढांचा खड़ा नहीं हो पाया है। यह परिकल्पना की गई थी कि पांच वर्ष की आयु से पहले प्रत्येक बच्चा बालवाटिका या प्रारंभिक कक्षा से जुड़ जाएगा, जहां प्रशिक्षित ईसीसीई शिक्षक खेल-आधारित शिक्षा के माध्यम से बच्चों में संख्यात्मक, भावनात्मक और शारीरिक क्षमताओं के साथ प्रारंभिक साक्षरता एवं संख्या ज्ञान विकसित करेंगे। यह परिकल्पना सही मायनों में प्रारंभ भी नहीं हो सकी है। जहां बालवाटिकाएं बनाई जा रही हैं, वहां प्रशिक्षित शिक्षक नहीं हैं और कई स्थानों पर शिक्षकों की नियुक्ति केवल औपचारिकता बनकर रह गई है।

सरकारें प्राथमिक शिक्षा को अक्सर इस दृष्टि से देखती हैं कि बच्चा घर से ही स्वाभाविक रूप से तैयार होकर विद्यालय आएगा, जबकि वास्तविकता इससे भिन्न है। सरकार को समय रहते गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा का एक प्रभावी ढांचा विकसित करना होगा। ईसीसीई शिक्षकों का अलग प्रारंभिक वर्ग तैयार करना आवश्यक है। बच्चों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य की नियमित निगरानी और जांच की भी व्यवस्था होनी चाहिए। बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान सीखना प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यही आगे की स्कूली शिक्षा और जीवनपर्यंत सीखने की आधारशिला है।

वर्तमान में प्राथमिक विद्यालयों में बड़ी संख्या में ऐसे विद्यार्थी हैं, जिनकी अनुमानित संख्या पांच करोड़ से अधिक बताई गई है, जो बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान तक प्राप्त नहीं कर सके हैं। जब तक प्राथमिक शिक्षा पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक बच्चों में सामान्य लेख पढ़ने, समझने और अंकों के साथ बुनियादी जोड़-घटाव करने की क्षमता विकसित नहीं हो सकेगी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने वर्ष 2025 तक प्राथमिक विद्यालयों में सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन वर्ष 2026 तक भी यह अभियान प्रभावी रूप से प्रारंभ नहीं हो पाया है। सीखने की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा किए बिना शिक्षा नीति के अन्य लक्ष्य अप्रासंगिक सिद्ध होंगे। इसलिए सरकार को प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए तत्काल प्रभाव से ठोस क्रियान्वयन योजना तैयार करनी चाहिए।

मनु और सम्राट ने जीता रजत

विश्वकप में भारत पदक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा

म्यूनिख, एजेंसी। भारतीय निशानेबाज मनु भाकर और सम्राट राणा की जोड़ी ने शनिवार को आईएसएसएफ विश्व कप में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। फाइनल में भारतीय जोड़ी को चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन याओ कियानशुन और हू काई ने बेहद करीबी मुकाबले में मात्र 0.3 अंक के अंतर से हराया। इस रजत पदक के साथ भारत ने प्रतियोगिता का समापन दो स्वर्ण और दो रजत पदकों के साथ किया और पदक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा। चीन चार स्वर्ण और तीन कांस्य पदकों के साथ शीर्ष पर रहा।

फाइनल में रोमांचक मुकाबला

फाइनल की शुरुआत भारतीय जोड़ी के लिए धीमी रही। पहले पांच-पांच शॉट्स की सीरीज के बाद भारत 100.0 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर था। सम्राट ने 51.0 और मनु ने 49.0 अंक बनाए। दूसरी सीरीज में मनु ने शानदार वापसी करते हुए 51.5 अंक जुटाए, जबकि सम्राट ने 49.9 अंक हासिल किए। इसके बाद भारतीय जोड़ी दूसरे स्थान पर पहुंच गई। तीसरी सीरीज के बाद भारत ने चीन से अंतर घटाकर सिर्फ 0.1 अंक कर दिया। मनु ने 51.8 और सम्राट ने 50.7 अंक का बेहतरीन प्रदर्शन किया। पहली एलिमिनेशन सीरीज के बाद भारतीय जोड़ी ने 2.2 अंकों की बढ़त बना ली थी। मनु ने 30.9 और सम्राट ने 30.5 अंक हासिल किए, जबकि चीनी जोड़ी दबाव में दिखाई दी।हालांकि, अगले चरण में सम्राट के 31.2 अंकों के बावजूद मनु के कुछ कमजोर शॉट्स के कारण चीन ने वापसी कर ली। 21वें शॉट के बाद भारत की 2.2 अंकों की बढ़त खत्म हो गई और चीनी जोड़ी 0.2 अंक आगे निकल गई। अंतिम सीरीज में मनु ने 10.6 का शानदार शॉट लगाया, लेकिन सम्राट केवल 8.8 अंक ही जुटा सके। इसके बाद चीन ने बढ़त बनाए रखी और भारतीय जोड़ी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। चीन की दूसरी जोड़ी शेन यीहाओ और बू शुआइहांग ने कांस्य पदक जीता।

क्वालिफिकेशन में दूसरी भारतीय जोड़ी 10वें स्थान पर

क्वालिफिकेशन राउंड में भारत की दूसरी जोड़ी सुरुची सिंह और श्रवण कुमार 575-20× के स्कोर के साथ 10वें स्थान पर रही। सुरुची ने 291-11× और श्रवण ने 284-9× का स्कोर किया।दिन के पहले सत्र में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में भारतीय जोड़ियां पदक दौर में जगह नहीं बना सकीं। एलावेनिल वलारिवन और अर्जुन बाबूता की जोड़ी 630.0 अंकों के साथ 14वें स्थान पर रही। आर्या बोर्से और शाहू तुषार माने की जोड़ी 629.6 अंकों के साथ 16वें स्थान पर रही। इस स्पर्धा में चीन के वांग जिफेई और शेंग लिहाओ ने स्वर्ण पदक जीता। नॉर्वे की जैनेट हेग डुएस्टैड और जॉन-हर्मन हेग ने रजत, जबकि चीन की हान जियायु और मा सिहान की जोड़ी ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

डायने पैरी ने अमांडा अनिसिमोवा को हराया

कोको गॉफ का अभियान समाप्त नाओमी ओसाका अगले दौर में

पेरिस, एजेंसी। मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ का फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल में खिताब का बचाव करने का सफर तीसरे दौर में ही थम गया लेकिन नाओमी ओसाका ने अपना शानदार अभियान जारी रखा। गॉफ को इस मैच में एक ऐसी खिलाड़ी ने पराजित किया जिसने लंबी बेसलाइन रैलियों और कोर्ट कवरेज में इस अमेरिकी खिलाड़ी का डटकर मुकाबला किया। यह खिलाड़ी अनास्तासिया पोटापोवा थीं, जिन्होंने शनिवार को तीसरे दौर में गॉफ पर 4-6, 7-6 (1), 6-4 से जीत हासिल की।

इससे पहले ओसाका ने अपने 100वें ग्रैंड स्लैम मैच में लगभग तीन घंटे में 18 वर्षीय अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी इवा जोविक को 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 से हराया। ओसाका का अगला मुकाबला नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका से होगा जिन्होंने डारिया कसाटकिना को 6-0, 7-5 से हराया।

फिर से जीत दर्ज की

इसके अलावा जुआन मैनुअल ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर को हराने के बाद फिर से पांच सेट की जीत दर्ज की। उन्होंने मार्टिन लैंडालुस को पांच घंटे, 58 मिनट में 6-4, 6-7 (7), 7-6 (4), 6-7 (4), 7-6 (8) से हराया। जुआन का अगला मुकाबला 2021 में विंबलडन के फाइनलिस्ट रहे माटेओ बेरेटिनी से होगा, जिन्हें फ्रांसिस्को कोमेसाना को 7-6 (3), 5-7, 6-7 (4), 6-4, 7-6 (13) से हराने में पांच घंटे, 13 मिनट लगे।

चौथे राउंड में जगह बनाई

वहीं, फ्रेंच ओपन 2026 में उलटफेर का दौर जारी है। फ्रांस की डायने पैरी ने शनिवार को छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे राउंड में जगह बनाई। इस साल के फ्रेंच ओपन से पहले पैरी पांच बार ग्रैंड स्लैम के तीसरे राउंड में पहुंची थीं, लेकिन कभी भी अंतिम-16 में जगह नहीं बना पाई थीं। शनिवार को कोर्ट फिलिप-शैट्रिए पर पेरिस की शोरगुल भरी भीड़ के सामने खेलते हुए पैरी ने अमांडा अनिसिमोवा को दो घंटे 44 मिनट तक चले तीन सेट के मुकाबले में 6-3, 4-6, 7-6 से हराया। पुरुष वर्ग में अलेजांद्रो तबिलो ने 17 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी मोइसे कौमे को 4-6, 6-3, 6-4, 7-6 (9) से पराजित किया।

अभय और चोटरानी ब्रिटिश ओपन स्क्वाश के अगले दौर में

बर्मिंघम। विश्व में 24वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने कोलंबिया के मैटियस नुडसेन को 11-8, 11-5, 11-4 से, जबकि विश्व में 44वें नंबर के खिलाड़ी चोटरानी ने पाकिस्तान के नूर जमां को 11-8, 12-14, 11-6, 11-7 से हराया। टंडन फ्रांसीसी खिलाड़ी ऑगस्टे डुसोर्ड के खिलाफ मैच के बीच से हट गए। उस समय यह भारतीय खिलाड़ी 14-12, 4-7 से पीछे चल रहा था। महिला वर्ग में विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत मिस्र की विश्व में 36वें नंबर की खिलाड़ी नार्डिन गारास से हार गईं। गारास ने यह मैच 11-8, 8-11, 11-8, 11-9 से जीता।

1000वें वनडे में पाकिस्तान की जीत, ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया; मिन्हास का कमाल

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने शनिवार को खेले गए पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस मैच में 21 वर्षीय स्पिनर अराफात मिन्हास ने अपने वनडे डेब्यू को यादगार बनाते हुए पांच विकेट झटके और पाकिस्तान की जीत के नायक बने। यह मुकाबला पाकिस्तान के वनडे इतिहास का 1000वां मैच भी था। इसके साथ ही पाकिस्तान भारत (1075) और ऑस्ट्रेलिया (1020) के बाद 1000 वनडे खेलने वाला दुनिया का तीसरा देश बन गया।

डेब्यू मैच में मिन्हास का ऐतिहासिक प्रदर्शन

बाएं हाथ के स्पिनर अराफात मिन्हास ने 32 रन देकर पांच विकेट लिए और वनडे डेब्यू में पांच विकेट लेने वाले पाकिस्तान के पहले गेंदबाज बन गए। स्पिनरों के लिए मददगार पिच पर उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। मिन्हास को अबरार अहमद (2/44) और सलमान अली आगा (1/21) का भी अच्छा साथ मिला। उनकी शानदार गेंदबाजी के चलते ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 44.1 ओवर में 200 रन पर सिमट गई। मिन्हास ने मैच के बाद कहा, 'दबाव तो था, लेकिन मुझे ऐसे माहौल का आनंद लेना पसंद है। मेरा पूरा ध्यान इस मौके का भरपूर फायदा उठाने पर था।' टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। मिन्हास ने कप्तान जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन और कैमरून ग्रीन को जल्दी आउट कर ऑस्ट्रेलिया को मुश्किल में डाल दिया। एक समय टीम 16वें ओवर में 68 रन पर चार विकेट गंवा चुकी थी।

बेबी बॉस पर फिदा हुए क्रिकेट के भगवान

15 वर्षीय युवा की जमकर तारीफ की

अहमदाबाद, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 15 वर्षीय युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि वैभव में कुछ ऐसा है जो उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाता है। सचिन का मानना है कि इतनी कम उम्र में जिस तरह वैभव खेल रहे हैं, वह वास्तव में खास है।आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए वैभव ने 776 रन बनाए और 237.31 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। इस दौरान उन्होंने 72 छक्के लगाए और एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का क्रिस गेल का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

वैभव की बल्लेबाजी ने किया प्रभावित

मुंबई में आयोजित क्रिकइन्फो ऑनर्स कार्यक्रम में सचिन ने वैभव की बल्लेबाजी को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'हर कोई वैभव सूर्यवंशी की बात कर रहा है और मैंने उसकी बल्लेबाजी देखी। वह शानदार थी। मेरा मानना है कि वह सचमुच बहुत खास खिलाड़ी है।' सचिन ने कहा कि सिर्फ बड़े शॉट लगाने की क्षमता ही नहीं, बल्कि वैभव का रिस्ट वर्क भी उन्हें बेहद प्रभावित करता है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ गेंद को मारने की क्षमता ही नहीं, बल्कि उसका रिस्ट वर्क भी मुझे बहुत आकर्षित करता है। मैदान के हर हिस्से में शॉट खेलने के लिए रिस्ट वर्क का अच्छा होना जरूरी है।'सचिन ने कहा कि वैभव अंधाधुंध बल्लेबाजी नहीं करते, बल्कि गेंद की लाइन और लेंथ को दूसरों से पहले पढ़ लेते हैं। उन्होंने कहा, 'वह गेंद को सिर्फ ताकत से नहीं मार रहा है। वह बाकी खिलाड़ियों से पहले गेंद की लाइन और लेंथ समझ लेता है और इसलिए आसानी से छक्के लगाने में सफल होता है।'

सचिन ने दी सूर्यवंशी को खास सलाह

पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने युवा खिलाड़ी को सलाह देते हुए कहा कि उसे अपने स्वाभाविक खेल को नहीं बदलना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं उसे यही कहूंगा कि वह जैसा है, वैसा ही बना रहे। टेस्ट क्रिकेट में उम्र और अनुभव के साथ वह चुनौतियों से निपटना सीख जाएगा। सबसे जरूरी है समाधान खोजने वाली सोच रखना।'सचिन ने आगे कहा, 'समस्याएं हमेशा रहेंगी। करियर की आखिरी गेंद तक रहेंगी। हर गेंदबाज हर गेंद पर सवाल पूछता है, लेकिन आपको उसका जवाब ढूंढना होता है।

टेस्ट क्रिकेट में देखने की उम्मीद

सचिन ने उम्मीद जताई कि भविष्य में वैभव भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट भी खेलेंगे। हालांकि उन्होंने प्रशंसकों और विशेषज्ञों से युवा खिलाड़ी पर ज्यादा दबाव नहीं बनाने की अपील की। उन्होंने कहा, 'सिर्फ मैं ही नहीं, हर कोई उसे किसी न किसी समय टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहेगा। लेकिन ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को प्रोत्साहन और समर्थन की जरूरत होती है। अगर वह अच्छा कर रहा है तो हमें उसका आनंद लेना चाहिए और लगातार उस पर दबाव नहीं बनाना चाहिए कि उसे इस टीम में चुना जाए या उस टीम में। यह फैसला चयनकर्ताओं पर छोड़ देना चाहिए।'यह पहली बार नहीं है जब सचिन ने वैभव की तारीफ की हो। इससे पहले भी उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर में खेली गई 97 रन की विस्फोटक पारी के बाद उनकी बल्लेबाजी की सराहना की थी। सचिन ने तब सोशल मीडिया पर लिखा था, 'वैभव सूर्यवंशी का बैट स्विंग शानदार है। इससे भी ज्यादा प्रभावित करने वाली बात यह है कि वह पैरों की ओर आने वाली गेंदों के लिए जिस तरह जगह बनाते हैं, उससे उन्हें अपने शॉट खुलकर खेलने की आजादी मिलती है। वह पारी वास्तव में शानदार थी।'

नॉर्वे शतरंज में गुकेश ने प्रज्ञानंद को हराया, दिव्या महिला वर्ग में शीर्ष पर पहुंचीं

ओस्लो, एजेंसी। ओस्लो में चल रहे नॉर्वे चेस 2026 टूर्नामेंट के पांचवें दौर में एक बार फिर रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष वर्ग में विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने ऑल-इंडियन मुकाबले में आर. प्रज्ञानंद को हराकर अहम जीत दर्ज की, जबकि महिला वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख ने जीत हासिल कर अंक तालिका में एकल बढ़त बना ली।

पांचवें दौर का सबसे चर्चित मुकाबला भारत के दो युवा ग्रैंडमास्टर्स गुकेश और प्रज्ञानंद के बीच खेला गया। मुकाबले के अधिकांश हिस्से में प्रज्ञानंद बेहतर स्थिति में नजर आए और उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा।हालांकि, अंतिम चरण में गुकेश ने मौके का फायदा उठाया। समय के दबाव और बढ़ते तनाव के बीच प्रज्ञानंद अपनी बढ़त को कायम नहीं रख सके। इसके बाद गुकेश ने स्थिति पर पूरी पकड़ बना ली और जीत दर्ज करने में सफल रहे। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को अमेरिका के वेस्ली सो के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मुकाबला लंबे समय तक रणनीतिक लड़ाई के रूप में चला, लेकिन एंडगेम में वेस्ली सो ने धीरे-धीरे बढ़त हासिल कर ली। कार्लसन ने वापसी की कोशिश की, लेकिन वेस्ली सो ने अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी और क्लासिकल मुकाबले में महत्वपूर्ण जीत दर्ज की।दूसरे क्लासिकल मुकाबले में टूर्नामेंट के शीर्ष खिलाड़ी अलीरेजा फिरोजा और विन्सेंट कीमर के बीच खेल ड्रॉ रहा। इसके बाद हुए आर्मागेडन मुकाबले में फिरोजा ने जीत हासिल कर अतिरिक्त अंक अपने नाम किए और अंक तालिका में अपनी बढ़त को और मजबूत कर लिया।

पेरिस सेंट जर्मेन ने लगातार दूसरी बार जीता चैंपियंस लीग का खिताब

पेरिस, एजेंसी। बुडापेस्ट के पुस्कास एरेना में खेले गए यूईएफए चैंपियंस लीग 2025-26 के फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने आर्सेनल को पेनल्टी शूटआउट में हराकर लगातार दूसरी बार यूरोप का सबसे प्रतिष्ठित क्लब खिताब अपने नाम कर लिया। निर्धारित समय और एक्स्ट्रा टाइम तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहने के बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ।

इंग्लिश प्रीमियर लीग का खिताब जीतकर फाइनल में पहुंची आर्सेनल ने मुकाबले की तेज शुरुआत की। लिआंड्रो ट्रॉसार्ड ने पीएसजी की क्लियरेंस को रोका, जिसके बाद काई हैवर्ट्ज़ गेंद लेकर आगे बढ़े और कठिन कोण से शानदार फिनिश करते हुए टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी।

पहला गोल खाने के बावजूद पीएसजी दबाव में नहीं दिखा और उसने पहले हाफ के अधिकांश समय गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा। हालांकि, गैब्रियल और विलियम सलीबा की अगुआई में आर्सेनल की रक्षापंक्ति ने उन्हें साफ मौके नहीं दिए। दूसरी ओर, आर्सेनल के पास बढ़त दोगुनी करने का अवसर भी आया, लेकिन मार्किन्होस ने अंतिम क्षणों में शानदार ब्लॉक कर हैवर्ट्ज को दूसरा गोल करने से रोक दिया।आर्सेनल पूरे टूर्नामेंट में मजबूत रक्षात्मक प्रदर्शन करता आया था और खिताब जीतने के लिए उसे सिर्फ क्लीन शीट की जरूरत थी। लेकिन दूसरे हाफ में क्रिस्थियन मोस्केरा ने ख्विचा क्वारात्सखेलिया को पेनल्टी क्षेत्र में गिरा दिया, जिसके बाद रेफरी ने पेनल्टी दे दी। ओस्मान डेम्बेले ने स्पॉट किक पर डेविड राया को गलत दिशा में भेजते हुए गोल किया और पीएसजी को 1-1 की बराबरी दिला दी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670